राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित | 8

वर्ष 12 अंक :216 रांची (झारखंड) रविवार,18 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया सब-वे और मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जंक्शन के पास सब-वे का शुभारम्भ और स्मार्ट सिटी के तहत पटना के जीपीओ गोलंबर के नजदीक बने मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन किया। पटना जंक्शन के सामने एक 440 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सब-वे और इसके ऊपर तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाई गई है। इसमें रेस्टोरेंट, एटीएम से लेकर दुकानें तक हैं।

जीपीओ गोलंबर से पटना जंक्शन गोलंबर वाया न्यू मार्केट एरिया में पीक आवर में गाड़ियां रेंगती रहती है। पटना जंक्शन पर गाड़ियों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था भी अब तक नहीं थी। अभी जीपीओ गोलंबर के पास ही बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड भी है। ऐसे में लोगों को स्टेशन आने और जाने में काफी परेशानी हो रही थी। इसके उद्घाटन के बाद अब जंक्शन के पास से खुलने वाली बसों को यहीं पार्क किया जाएगा। ऑटो को भी यहीं खड़े करने की व्यवस्था होगी। आम जन के लिए यह रविवार , यानी 18 मई से शुरु होगा। मल्टी मॉडल हब और टनल की देखरेख की जिम्मेदारी स्मार्ट

सिटी लिमिटेड की ही होगी। इसके रखरखाव और देखरेख के लिए टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से हर जरूरी बंदोबस्त किए गए हैं। हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। आग से बचाव के लिए हर मंजिल पर सेंट्रलाइज्ड फायर इस्टिंग्विशर का सेटअप तैयार किया गया है।पूरे टनल में सेंट्रलाइज्ड एसी का सेटअप किया गया है। टनल में सीसीटीवी कैमरे, लाइट्स, डिस्प्ले स्क्रिन और साउंड सिस्टम भी है। साउंड सिस्टम के जरिए लोगों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि टनल के किस गेट के जरिए किस साइड बाहर निकला जा सकता है।' टनल में तीन एंट्री और एग्जिट गेट बनाए गए हैं। इससे जीपीओ गोलंबर और इस्कॉन टेंपल की तरफ से लोग आसानी से पटना जंक्शन पहुंच सकते हैं। गाड़ियों की बेहतर पार्किंग के साथ स्टेशन आने-जाने में भी लोगों को सहूलियत होगी। सब-वे से पैसेंजर्स को महावीर मंदिर जाने में सुविधा होगी।मल्टी मॉडल हब को पटना जंक्शन, मेट्रो स्टेशन और बुद्ध स्मृति पार्क के पास बने मल्टी मॉडल पार्किंग से स्मार्ट और अल्ट्रा मॉडल टनल से जोड़ा गया है।

पोप लियो चौदहवे के अधिष्ठापन समारोह के भारतीय प्रतिनिधिमंडल वेटिकन सिटी जायेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार का एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल वेटिकन सिटी में 18 मई को होने वाले पोप लियो चौदहवे के अधिष्ठापन समारोह में भाग लेगा। इसमे राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यंथुंगो पैटन शामिल हैं। यहां जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस महत्वपूर्ण वैश्विक धार्मिक आयोजन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी अंतर-धार्मिक जुड़ाव, समुदायों के बीच परस्पर सम्मान और होली सी के साथ कूटनीतिक जुड़ाव के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियानः राकांपा की ओर से सुले टीम में शामिल

पुणे । शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की शीर्ष नेता एवं बारामती सांसद सुप्रिया सुले को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर भारत का कड़ा रुख और संदेश पेश करने के लिए सरकार द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। श्री सुले ने शनिवार को यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का आभार जताया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान सीमा पार से लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। इसे बेनकाब करना और इसकी असलियत उजागर करना जरूरी है। हम सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत इसके लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है।'' उन्होंने कहा, ÷यह सच है कि भारत ने दुनिया को बार-बार दिखाया है कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, बारामती लोकसभा क्षेत्र के लोगों के प्रतिनिधि के रूप में वैश्विक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह केवल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों द्वारा दिए गए निरंतर विश्वास, अटूट प्यार और सेवा के अवसर के कारण ही संभव हो पाया है। श्रीमती सुले ने कहा, इसके लिए हम सभी उनके ऋणी हैं। उन्होंने कहा, हम सभी देशवासियों की ओर से आतंकवाद के खिलफ भारत के रुख को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस ने बहुदलीय प्रतिनिधि मंडल के लिए चार सांसदों के नाम सरकार को भेजे

नई दिल्ली । कांग्रेस ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने के लिए अपने चार सांसदों के नाम सरकार को भेज दिए हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए बताया की पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा से दो-दो सदस्यों के नाम इस प्रतिनिधिमंडल मैं शामिल होने के लिए भेजें हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिन सांसदों के नाम प्रतिनिधिमंडल के लिए भेजे हैं उनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, राज्यसभा सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन तथा राजा बरार शामिल हैं।उन्होंने बताया कि कल सुबह संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात कर कांग्रेस से पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए पार्टी के चार सांसदों के नाम देने का आग्रह किया था। पार्टी ने कल दोपहर तक कांग्रेस की ओर से सरकार को नाम भेज दिए थे।गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजे जाने है।

एसआइए ने कश्मीर में संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर कई स्थानों पर छापेमारी की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआइए) ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों पर चल रही कार्रवाई के तहत कई स्थानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, मध्य और उत्तरी कश्मीर के जिलों में चल रही छापेमारी क्षेत्र में संदिग्ध आतंकी गतिविधियों पर चल रही कार्रवाई का हिस्सा है। यह घटनाक्रम एसआइए द्वारा 11 मई को दक्षिण कश्मीर में लगभग 20 स्थानों, विशेष रूप से पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में किए गए हाल ही में किए गए छापों के बाद हुआ है। पहले की ये छापेमारी आतंकी साजिश मामले की एक उच्च-दांव जांच का हिस्सा थी, जिसमें कथित स्लीपर सेल पाकिस्तान में हैंडलर के संपर्क में पाए गए थे। आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बारे में संवेदनशील जानकारी साझा करने में शामिल थे।

आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के कड़े रुख का संदेश देंगे सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। विभिन्न दलों के सांसदों के नेतृत्व में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया को आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने का भारत का भारत का कड़ा संदेश देने के लिए विभिन्न देशों में जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजु ने यह जानकारी दी।इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व शशि थरूर, कांग्रेस, रविशंकर प्रसाद, भाजपा, संजय कुमार झा, जदयू, बैजयंत पांडा, भाजपा, कनिमोझी करुणानिधि, डीएमके, सुप्रिया सुले, एनसीपी और श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शिव सेना करेंगे। श्री रिजीजू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई के संदर्भ में, सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख साझेदार

देशों का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में, भारत एकजुट है। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे, जो आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के हमारे साझा संदेश को लेकर जाएंगे। राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का यह एक शक्तिशाली प्रतिबिंब है। विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की राष्ट्रीय सहमति और दृढ़ दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेगा। वे आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता के देश के मजबूत संदेश को दुनिया के सामने रखेंगे।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया

धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए। राष्ट्र पहले की भावना होनी चाहिए और हर निर्णय में राष्ट्र हित को प्राथमिकता

देनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि हमें उन देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर धनखड़ ने भारतीय सेना की बहादुरी की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सफलतापूर्वक कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि एक नया मानक स्थापित हो गया है, भारतीय सेना ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और पाकिस्तान के अंदर मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाया। अब कोई सबूत नहीं मांग रहा है। दुनिया ने देखा और माना है। हमारे पास इस बात की गाथा है कि वह देश किस तरह आतंकवाद में डूबा हुआ है।

उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का आह्वान किया। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के चार परिसरों (लखनऊ, नोएडा, जयपुर और इंदौर) ने पहली बार एक भव्य दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर जयपुरिया समूह के अध्यक्ष शरद जयपुरिया और उपाध्यक्ष श्रीवत्स जयपुरिया ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एनआईए ने आईएसआईएस के प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो फरार आरोपियों अब्दुल फैयाज शेख और तल्हा लियाकत खान को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल के प्रमुख सदस्यों के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी महाराष्ट्र के पुणे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के निर्माण और परीक्षण से जुड़े 2023 के एक मामले से जुड़े हैं।

उन्हें घोषित अपराधी घोषित किया गया था और केंद्रीय एजेंसी ने पहले उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 3 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की थी। खुफिया जानकारी के आधार पर आव्रजन ब्यूरो ने आरोपियों को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टर्मिनल 2) पर रोका, जब वे इंडोनेशिया के जकार्ता से आए थे, जहां वे छिपे हुए थे। उन्हें तुरंत एनआईए की टीम ने हिरासत में ले लिया। उन्हें जल्द ही एक विशेष एनआईए अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है। जांचकर्ताओं के अनुसार 2022 में पुणे से संचालित आईएसआईएस मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद दोनों ने सावधानीपूर्वक भागने की योजना बनाई थी। उस कार्रवाई में कई गिरफ्तारियाँ हुईं, जिनमें शामील नाचन भी शामिल है, जो दोषी आतंकवादी साकिब नाचन का बेटा है, जिसे अमीर-ए-हिंद (भारत में आईएसआईएस का प्रमुख) नामित किया गया था।

मणिपुर में म्यांमार संगठन सहित आठ उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में विभिन्न अभियानों में आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, इनमें से एक मोरेह (भारत) और म्यांमार स्थित चिन कुकी राष्ट्रीय रक्षा बल (सीकेएनडीएफ) का कैडर शामिल है। इसकी पहचान चुराचांदपुर जिले के टोंगलाल वेंग के थोंगखोहोउ तोथांग के रूप में हुई, जो चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर-पीएस के अंतर्गत तुइबोंग से है। वह सीकेएनडीएफ समूह के लिए सशस्त्र विद्रोह और सीमा पार हथियार और कैडर आंदोलन के लिए युवाओं की भर्ती में शामिल है। वह सीकेएनडीएफ के नाम पर जनता से जबरन वसूली करने में भी शामिल है। इसके अलावा, पुलिस ने इम्फाल पूर्वी जिले के लमलाई-थाने क्षेत्र से दो उग्रवादियों और पोरोमपाट-थाने क्षेत्र से एक और उग्रवादी को गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस ने

विभिन्न इलाकों से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां सिंगजामेई, थौबल, बिष्णुपुर और इम्फाल पश्चिमी जिलों से हुईं। इसके अलावा, कक्कचिंग तथा इम्फाल पूर्व में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए।

लालू यादव के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया इश्तेहार, पैतृक गांव फुलवरिया में होगा चशपा

एजेंसी

पटना। सिवान के एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के खिलाफ एक इश्तेहार जारी किया है। इस इश्तेहार के जरिये कोर्ट ने उन्हें ससमय पेश होने का आदेश दिया है। लालू प्रसाद आचार संहिता उल्लंघन के एक पुराने मामले में पिछले कई सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए थे। इस कारण कोर्ट ने उनके खिलाफ यह इश्तेहार जारी किया है।

दरअसल, कोर्ट में उपस्थिति को लेकर जमानतीय और गैर-जमानतीय वारंट जारी होने के बाद भी यदि आरोपी उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी किया जाता है। एक पुराने मामले में न्यायालय ने उन्हें स-समय कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। लालू यादव से जुड़ा यह मामला 2011 का है। सिवान जिले में दरौंदा थाना के

विधानसभा क्षेत्र में 2011 में उपचुनाव हुआ था, जिसमें राजद उम्मीदवार परमेश्वर राय, लालू यादव के पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे। इसी बीच चुनाव प्रचार-प्रसार के दौरान उनपर अचार संहिता 144-188 धारा लगा था। इसके अंतर्गत आचार संहिता उल्लंघन ध्वनि निस्तारण यंत्र अधिनियम 9 के तहत लाउडस्पीकर एक्ट को लेकर तत्कालीन अंचलाधिकारी (सीओ) के द्वारा, जो कि उस समय उड़नदस्ता प्रभारी थे, उनके द्वारा थाना में केस दर्ज करवाया गया था। एमपी ,एमएलए कोर्ट में यह केस 14 साल चलने के बाद आज एक एसीजीएम एमपी एमएलए कोर्ट के द्वारा लालू यादव के खिलाफ इश्तेहार जारी किया गया है। इश्तेहार में लालू प्रसाद यादव के गांव फुलवरिया का पता है, जहां इश्तेहार को चिपकाया जाएगा। एडवोकेट मदन सिंह ने बताया कि यह बेलेबल सेक्शन है। आचार संहिता उल्लंघन मामले में इन पर केस दर्ज हुआ था। मदन सिंह ने कहा कि दरौंदा के पांडेपुर गांव में यह जनसभा हुई थी, जिसको लेकर आचार संहिता का उल्लंघन का मामला आया था और तत्कालीन सीओ के द्वारा उन पर केस दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि परमेश्वर राय, लालू यादव की पार्टी राजद से उम्मीदवार थे, उनकी मृत्यु हो गई है। सिर्फ लालू यादव ही इस केस में जीवित हैं, जिन पर न्यायालय के द्वारा इश्तेहार जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे में बदलाव, अब 29 मई को ही पहुंचेंगे पटना

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री अब दो दिवसीय बिहार दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी आगामी 29 मई को ही पटना पहुंच जाएंगे। 29 को वो पटना में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे, जबकि 30 मई को विक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। पहले उनका कार्यक्रम एक दिन का तय था, लेकिन अब इसे विस्तारित कर दो दिन का कर दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप

जायसवाल ने शनिवार को बताया कि पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर बिहार आने वाले थे, लेकिन अब उनके कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। पीएम मोदी अब दो दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं। पहले केवल बिक्रमगंज में एकदिवसीय कार्यक्रम तय था, लेकिन अब पीएम दो दिन के प्रवास पर बिहार आ रहे हैं।

पटना एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटनः प्रधानमंत्री 29 मई की शाम पटना पहुंचेंगे। यहां वे जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन लगभग 1,216 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है और राज्य के हवाई यातायात को नई गति देगा। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री रात में पटना में ही विश्राम करेंगे। 30 मई को प्रधानमंत्री रोहतास के बिक्रमगंज में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह रैली चुनावी दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जा रही है।

केदारनाथ में तकनीकी खामी से हेली एंबुलेंस की आपातकाल लैंडिंग

एजेंसी

केदारनाथ । ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ हेलीपैड की ओर आ रही संजीवनी हेली एंबुलेंस की शनिवार को आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। हेलीकॉप्टर में दो डॉक्टर भी सवार थे। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा, हेलीकॉप्टर सवार बिलकुल सुरक्षित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों सुरक्षित हैं। आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर के पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि केदारनाथ धाम में एक मरीज को रेस्क्यू कराने पहुंची संजीवनी हेली एंबुलेंस की आपातकालीन लैंडिंग हुई। पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया है।

संक्षिप्त समाचार

फिलिप सहाय एक्का के द्वारा फीता काटकर गृह प्रवेश कराया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज दिन शनिवार को मांडर प्रखंड के महुआजड़ी पंचायत के ग्राम बांसजाड़ी में मांडर प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का के द्वारा फीता काटकर लाभुक सुकरमनी उराईन को गृह प्रवेश कराया। प्रमुख ने कहा,एक गरीब विधवा असहय महिला को खुले आसमान के नीचे सिर के ऊपर एक छत मिला है, मांडर प्रखंड के जितने भी आवास के लाभकु हैं आप सभी से कहना है कि आवास को छत लेवल तक जरूर पूर्ण करें। इस गृह प्रवेश कार्यक्रम में उप प्रमुख अमानत अंसारी, विधायक प्रतिनिधि बेलस टोप्पो, मुखिया संतोष किस्पोट्टा, प्रखंड समन्वयक PMAYG, सुभाष कुमार, पंचायत सचिव जयंत गुप्ता, रोजगार सेवक आशिक अंसारी, उप मुखिया राकेश तिग्गा, वार्ड सदस्य तारा तिग्गा समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

ऑक्सब्रिज (एन.) स्कूल में समर कैंप का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - ऑक्सब्रिज (एन.) स्कूल में चार दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्साह, ऊर्जा और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ योगा, जुम्बा, बाथ टब, रेन डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, फैशन शो में भाग लिये तथा विभिन्न तरह के झूलों का आनंद उठाया। बच्चों ने आईसक्रीम, केक, चाकलेट तथा फ्रूटी का भी लुत्फ उठाया। हेड प्रिंसिपल ईवोन ई एक्का ने कहा कि समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक अच्छा माध्यम है। यह बच्चों को न केवल उन्हें नये कौशल सीखने का अवसर देता है, बल्कि आपस में सहयोग, आत्मविश्वास तथा सामाजिक जुड़ाव की भावना भी जागृत करता है। इस कार्यक्रम से अभिभावक भी खुश हुए।

बाल अधिकार संरक्षण पर उपायुक्त ने की अधिकारियों से समीक्षा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त ने बाल अधिकार संरक्षण सुदृढ़ करने हेतु शिक्षा विभाग के अधिकारियों, बीडीओ, बीईईओ, एडीपीओ, सीआरपी, वीआरपी, शिक्षक एवं मुखिया के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि रुआर कार्यक्रम के तहत सभी बच्चों का शत प्रतिशत उपस्थिति करना सुनिश्चित किया जाए। जिले में कोई भी 06 से 14 वर्ष तक का बच्चा श्रम करता हुआ नहीं पाया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा से वंचित कोई भी बच्चा नहीं होना चाहिए और इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने जिला स्तर पर बाल श्रम के रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के लिए कहा और होटलों, ढाबों और ईंट भट्ठों में जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि सभी स्कूलों में फिर स्कूल चले हम कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सभी मुखिया को कहा कि अपने अपने पंचायत के सभी बच्चों को विद्यालय भेजना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उपायुक्त ने सभी स्कूलों में शुगर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। स्कूलों में बोर्ड बताएगा कि बच्चों ने दिन भर में क्या-क्या खाया है। बच्चों को जंक फूड नहीं खाने हेतु प्रेरित करने का निर्देश दिया गया।

बिहार के रोहतास में दर्दनाक हादसा: अंतिम संस्कार में गए बाप-बेटा और भतीजा सोन नदी में डूबे, एक का शव बरामद

Sasaram: बिहार में रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र में शनिवार को सोन नदी में डूबकर तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उल्ली बनारा गांव के समीप सोन नदी में नहाने के दौरान तीन लोग डूब गए। काजीपुर गांव निवासी रंजन कुमार (20) शव बरामद कर लिया गया है, जबकि उसके पिता नागेश्वर शर्मा तथा एक अन्य युवक रितेश शर्मा लापता हैं। सभी लोग एक दाह संस्कार के लिए सोन नदी के किनारे गए हुए थे। दाह-संस्कार के बाद यह लोग सोन नदी में स्नान करने लगे। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण तीनों डूब गए। वहीं, मौके पर राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) की टीम पहुंच गई है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्टेबलकॉइन: क्या इंटरनेट ने ढूंढ लिया है बैंकों का विकल्प

नई दिल्ली। 1990 के दशक में जब पहली बार ईमेल भेजना शुरू हुआ, तब यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। जिस संदेश को डाक से भेजने में कई दिन लगते थे या जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय कॉल पर मोटा पैसा खर्च होता था, वे अब एक क्लिक में और वो भी मुफ्त में पहुंचने लगे। आज तकनीक ने दूरियों को मिटा दिया है, चाहे कोई दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो, संपर्क अब पल भर की बात है। लेकिन इस तकनीकी क्रांति के बीच एक ऐसा पहलू भी है जो अभी भी पिछड़ा हुआ है और वो है, पैसे के लेन-देन का तरीका, जो अभी भी उतना ही धीमा, महंगा और जटिल बना हुआ है। तीन दशकों की इंटरनेट प्रगति के बावजूद हमारा वित्तीय सिस्टम अब भी धीमे, महंगे और पुराने तरीके पर टिका हुआ है। सीमा पार पैसे भेजने में अभी भी कई दिन लग जाते हैं, छोटे व्यापारियों को हर भुगतान पर कार्ड फीस देनी पड़ती है। और करोड़ों परिवार, जो अपने घर वालों को विदेश से पैसे भेजते हैं, उन्हें ट्रांसफर फीस में 10% तक का नुकसान झेलना पड़ता है। लेकिन इन सभी समस्याओं के समाधान के रूप में उभर रहा है स्टेबलकॉइन, डिजिटल मनी जिसे इंटरनेट युग के लिए डिजाइन किया गया है।

स्टेबलकॉइन क्रिप्टो एसेट्स हैं जो स्थिर मुद्राओं जैसे अमेरिकी डॉलर या यूरो से जुड़े होते हैं। ये तेज, स्थिर और प्रोग्रामेबल होते हैं, और डिजिटल नकदी की तरह काम करते हैं। बिटकॉइन या एथेरियम की तरह, जो अक्सर निवेश के तौर पर देखे जाते हैं, स्टेबलकॉइन रोजमर्रा के लेन-देन और उपयोग के लिए बनाए गए हैं। स्टेबलकॉइन कागजी मुद्रा का भरोसा और ब्लॉकचेन की कार्यकुशलता दोनों का मेल है। ये बैंक, कार्ड नेटवर्क या विदेशी मुद्रा कन्वर्ज़न डेस्क की जरूरत के बिना, तुरंत और सीमा-रहित लेन-देन संभव बनाते हैं। कई मायनों में, स्टेबलकॉइन इंटरनेट के लिए एक मौद्रिक प्रोटोकॉल हैं, जैसे ळळळढ ने वेबसाइटों को सक्षम बनाया है, ठीक उसी तरह, स्टेबलकॉइन अगली पीढ़ी के ऑनलाइन कॉमर्स और वित्तीय सेवाओं की नींव बन सकते हैं। ऐसा नहीं है कि स्टेबलकॉइन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था को एक दिन में बदल देंगे, लेकिन पैसे के लेन-देन को कैसे तेज, आसान और सबके लिए सुलभ बनाया जा सकता है, इसका विकल्प यह जरूर पेश कर रहे हैं। जिस तरह ईमेल ने संचार को बदल दिया, स्टेबलकॉइन भी जल्द ही पैसे के मायने बदल सकते हैं।

अन्वी न्यूबॉर्न एंड चाइल्ड हॉस्पिटल, रांची में आज एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

रांची:जिसमें अस्पताल के निदेशक डॉ. रवि शेखर सिंह, MiLLK की निदेशक डॉ. सुनीता कात्यायन, और अस्पताल की सीईओ डॉ. अंजलि आर. सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की एक नवीनतम और महत्त्वपूर्ण पहल MiLLK (Miriam Labbok Lactation Kendra) के शुभारंभ की जानकारी देना था, जिसका विधिवत उद्घाटन 18 मई 2025 को अन्वी अस्पताल परिसर में होने जा रहा है। MiLLK, एक समर्पित स्तनपान सहायता एवं मातृत्व शिक्षा केंद्र, का नाम अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त स्तनपान विशेषज्ञ डॉ. मिरियम लैबोक के सम्मान में रखा गया है, जिन्होंने विश्व स्तर पर मातृत्व और नवजात स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए स्तनपान एवं शिशु पोषण के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। यह केंद्र पूर्वी भारत में अपनी तरह का पहला स्थान होगा, जहाँ माताओं को स्तनपान से संबंधित गहन जानकारी, व्यक्तिगत परामर्श, व्यवहारिक प्रशिक्षण, नवजात विकास संबंधी मार्गदर्शन, और मानसिक स्वास्थ्य सहायता झ सब कुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. रवि शेखर सिंह ने कहा अन्वी की नींव केवल इलाज पर नहीं, बल्कि देखभाल, मार्गदर्शन और परिवारों के साथ खड़े रहने की भावना पर रखी गई है। MiLLK का उद्देश्य है कि एक माँ को उसके मातृत्व के सफर में संबल मिले, खासकर उन शुरूआती दिनों में जब वह सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत महसूस करती है। डॉ. सुनीता कात्यायन, जो MiLLK की संचालन निदेशक हैं, ने इस पहल के उद्देश्य और कार्यपद्धति को विस्तार से समझाया झारखंड में स्तनपान, नवजात पोषण, और प्रारंभिक बचपन विकास पर केंद्रित एक समर्पित केंद्र की बहुत आवश्यकता थी। MiLLK, केवल एक सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि एक सशक्तिकरण स्थल है जहाँ हर माँ को सशक्त और समर्थ बनाया जाएगा। यह बच्चों के विकास सबसे उत्तम और रोगमुक्त बचपन की नीव डालेगा और कॉन्स्टिपेशन, कैंसर तक पर असर करेगा। वहीं, डॉ. अंजलि आर. सिंह ने इस मौके को संस्थान की सोच और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया हम केवल अस्पताल नहीं हैं, बल्कि एक आंदोलन हैं एक ऐसा आंदोलन जो बच्चों की पूरी ज़िंदगी को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार अग्रसर है। MiLLK उसी मिशन का एक मील का पत्थर है। 18 मई 2025 को होने वाले उद्घाटन समारोह में चिकित्सकों, माताओं, सामाजिक कार्यकताओं, और बाल स्वास्थ्य क्षेत्र के कई विशेषज्ञों की उपस्थिति रहेगी। समारोह के दौरान MiLLK के विजन को लेकर एक प्रस्तुति, माताओं के लिए इंटरैक्टिव सेशन, और स्तनपान पर लाइव डेमो का आयोजन किया जाएगा। 25 मई 2025 को अन्वी न्यूबॉर्न एंड चाइल्ड हॉस्पिटल में Lactation और IYCF पर कैंप होगा, सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक और अगला कैंप जून में होगा जो अनाउंस कर दिया जाएगा। MiLLK की स्थापना इस विश्वास के साथ की जा रही है कि हर माँ को मिले सही जानकारी, हर शिशु को मिले पोषण से भरा प्रारंभ, और हर परिवार को मिले भावनात्मक सहयोग।

एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल मे हुआ भव्य फूड फेस्टिबल का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - सिमलिया रातु स्थित एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल में आज विद्यालय के निदेशक कार्तिक विश्वकर्मा एवं प्राचार्य शोभा देवी के निर्देशन में भव्य फूड फेस्टिवल का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के विशिष्ठअतिथि के तौर पर झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य,समाजसेवी शिव कुमार विश्वकर्मा,लक्की एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार साहू, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी की मौजूदगी रही। फूड फेस्टिवल प्रदर्शनी मे बच्चों ने समोसा चाट,इडली,सांबर बाडा,पापड़ीचाट,सैंडविच, मोमोज,मिल्क सेक,फूचका,झाल मुरही,दहीलस्सी,टिक्की चाट, दही बाडा,बादाम चक्की,पानी पूरी,लड्डू,फ्रूट चाट,सत्तू शर्बत, पनीर पकोड़ा,आलू भुजिया, छोला आदि आदि स्वादिष्ठ व्यंजन बनाकर अपने अतिथियों, गुरुजनों एवं अविभावकों को चखाया और अचंभित किया। मौके पर विशिष्ठ अतिथि अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य ने सभी बच्चों द्वारा बनाए गए सारे स्वादिष्ट पकवान को बारी बारी से चख कर उत्साह बढ़ाई और बधाई दी।दीपक कुमार साहू ने कहा बच्चों द्वारा बनाए गए सभी व्यंजन बेहतरीन,स्वादिष्ट एवं मनमोहक है ऐसी प्रतियोगिता से बच्चें गुणवान बनते हैं।शिव किशोर शर्मा ने विद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही उनमें स्किल डेवलपमेंट भी होती है।विद्यालय के निदेशक कार्तिक विश्वकर्मा ने कहा कि कला कोई भी हो छोटी नहीं

होती,जिसके हाथ में हुनर है वह कभी दूसरों का मोहताज नहीं होता।स्कूल सिर्फ किताबी ज्ञान प्राप्त करने की जगह नहीं है बल्कि विद्यार्थियों को हर क्षेत्र के प्रशिक्षित कर उनका कौशल विकास करना चाहिए।शोभा देवी ने कहा कि वर्तमान समय मे बच्चों को हर गतिविधियों मे निपुण करना चाहिए और उन्हें जिस क्षेत्र मे रूचि है उसी मे आगे बढ़ना चाहिए।विद्यालय के निदेशक दयानन्द विश्वकर्मा ने फूड फेस्टिवल प्रदर्शनी के पुर्व खाद्यान्न,फल और फूलों से संबंधित कई रोचक जानकारियां बच्चों को दी। कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व बच्चों को प्रमाणपत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।उप प्राचार्य सच्चिदानंद जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम समापन की घोषणा कि गई।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से प्रिंस कुणाल,सुशील सिंह,विकास कुमार,नितेश कुमार,सचिन्द्र,प्रियंका मिश्रा,ज्योति,पूजा, आमना बेबी, सोनम,स्वेता,अनामिका,प्रियंका,नंदिनी एवं अन्य विद्यालय के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डी ए वी विद्यालय में 5 दिवसीय बैगलैस डे कैंप का समापन

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे लुत्फल हक

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 से 8 वीं तक के बच्चों के लिए एक 5 दिवसीय बैग लैस डे कैंप का आयोजन 13 मई से 17 मई तक के लिए किया गया। मंगलवार से शनिवार तक चलने वाले इस कैंप में बच्चे किताबी ज्ञान के अलावे विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक और व्यवहारिक ज्ञान से जुड़ी गतिविधियों में सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का समापन समारोह में पाकुड़ के प्रसिद्ध समाज सेवी एवं उद्योगपति लुत्फूल हक जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। उनके सम्मान में विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रोजेक्ट को ध्यान पूर्वक देखा एवं उनके क्रिया कलापों की जमकर सराहना की। बच्चों को संबोधित करते हुए

उन्होंने बताया कि सभी बच्चे अपने अपने प्रोजेक्ट पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किए हैं। ऐसे आयोजन से बच्चों की छुपी प्रतिभा निखरती है। उन्होंने सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को बताया कि आवश्यक पड़ने पर वे बच्चों की हर सम्भव मदद करने को तैयार हैं । विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने बताया कि इस कैंप में आर्ट और क्राफ्ट में बच्चों के बीच ड्राइंग, पेंटिंग, मॉडलिंग, डाल मेकिंग और अनुपयोगी सामग्री से वस्तुओं का निर्माण करना आदि सिखाया गया। इससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभवों में शामिल होने, रचनात्मकता को प्रज्वलित करने, पर्यावरण चेतना विकसित करने और उनकी समग्र सीखने की यात्रा को बढ़ाने के लिए एक अनूठा मंच प्राप्त होता है। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चों के बीच लोक गीत, नृत्य, लघु नाटका, कविता पाठ, कहानी लेखन गतिविधियों को सिखाया गया। वहीं, बच्चों को खेती की आधुनिक पद्धतियों की जानकारी हो सके, इसके लिए पोलिफार्मिंग, ऑर्गेनिक फॉर्मिंग, औषधियों पौधों की जानकारी और खेती में उपयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों की जानकारी दी गई। उन्होंने आगे बताया कि बच्चों को स्थानीय बैंक, पुलिस थाना, अस्पताल, डाकघर, रेलवे यार्ड, अनाज मंडी आदि जगहों का भ्रमण कराया गया। इसी के साथ बच्चों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण की जानकारी देने के साथ खेल की गतिविधियां भी कराई गई। इस कैंप के समापन समारोह में बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी अतिथियों का मन मोह लिया।

तेज बारिश आंधी तूफान ने मचाई तबाही ,कई जगहों पर हुआ व्यापक नुकसान

मंडरोः मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिर्जाचौकी समेत अन्य क्षेत्रों में बीती रात आए तेज बारिश आंधी तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया है। तूफान के कारण कई स्थान पर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। इससे दर्जनों गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।वही मिजाचौकी उत्तरी महादेववरन में शीतल प्रसाद पाठक के घर में वृक्ष का मोटा टहनी गिर जाने से भारी नुक्सान हुआ है। प्रखंड क्षेत्र में आम के पेड़ गिर जाने से सारे कच्चे आम गिर गए। वही मिजाचौकी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे के ओवरहेड तारों पर कई जगह गिरा टीन का चदरा, ट्रेन का परिचालन हुआ बाधित ।अजीमगंज - भागलपुर कटुआ पैसेंजर मिजाचौकी स्टेशन पर खड़ी रही।मिर्जाचौकी स्टेशन समीप घी भट्ठी के पास वर्षों पुराना पीपल का पेड़ तेज रफ़्तार हवा के कारण मिर्जाचौकी स्टेशन के तीन नंबर प्लेटफार्म के ट्रैक पर गिरा, स्टेशन कर्मियों के द्वारा हटाया गया।तेज रफ़्तार हवा में उड़ कर लाइट का सोलर पैनल मिर्जाचौकी स्टेशन के पटरियों पर गिरा। स्टेशन के कर्मियों के द्वारा उसे हटाया गया ताकि ट्रेन बाधित न हो और ट्रेनों का आवागमन सुचारू रूप से चलता रहे।तेज रफ़्तार हवा और बारिश के कारण मिर्जाचौकी बाजार में युगों युगों से खड़ा तार का पेड़ गिरा,बिजली का तार हुआ क्षतिग्रस्त। बिजली मिस्त्री द्वारा कार्य किया जा रहा है।मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन परिसर व रैक लोडिंग प्वाइंट एरिया में आंधी तूफान ने बचाई तबाही। आंधी तूफान से हुए नुकसान को देखने के लिए रेलवे अधिकारी व मिजाचौकी स्टेशन प्रबंधक अनिल वर्मा मौके पर पहुंचे।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 353 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

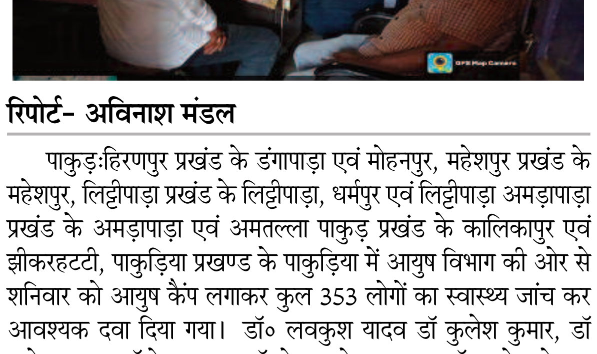

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर प्रखंड के डंगापाड़ा एवं मोहनपुर, महेशपुर प्रखंड के महेशपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिट्टीपाड़ा, धर्मपुर एवं लिट्टीपाड़ा अमड़ापाड़ा प्रखंड के अमड़ापाड़ा एवं अमतल्ला पाकुड़ प्रखंड के कालिकापुर एवं झीकरहटटी, पाकुड़िया प्रखण्ड के पाकुड़िया में आयुष विभाग की ओर से शनिवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 353 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० लवकुश यादव डॉ कुलेश कुमार, डॉ राजेश यादव, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ मो अफरोज आलम, डॉ अशोक मेहता, डॉ अमरेश कुमार, डॉ मिथलेश सिंह, डॉ सौरव बिस्वास, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ मो अबुतालिब शेख ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

संगीत के सूर्य को नमन – गुरुजी हीरालाल चतुर्वेदी को उनके 48 पुण्य तिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

हजारों कलाकारों के प्रेरणास्त्रोत और दिल्ली संगीत परंपरा के स्तंभ, स्वर्गीय श्री हीरालाल चतुर्वेदी जी ' गुरूजी ' को किया गया नम आंखों से याद

नई दिल्ली ,।भारतीय संगीत जगत की एक अमिट छवि, स्वर्गीय हीरालाल चतुर्वेदी को आज उनकी पुण्यतिथि पर पूरे सम्मान और भावनात्मक श्रद्धा के साथ याद किया गया। संगीत के इस महान साधक को पुरानी दिल्ली के उनके शिष्य ह्यगुरुजीह्ण के नाम से श्रद्धा से पुकारते थे। वे न केवल एक कुशल संगीत शिक्षक थे, बल्कि मानवता, अनुशासन और समर्पण के प्रतीक भी थे। 1914 में राजस्थान के भरतपुर जिले के ताखा गांव से दिल्ली आकर उन्होंने संगीत के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह आज भी राजधानी के सांस्कृतिक परिदृश्य में जीवंत है। उन्होंने एक संगीत विद्यालय की स्थापना कर न सिर्फ शास्त्रीय संगीत की अलख जगाई, बल्कि हर उम्र व वर्ग के हजारों विद्यार्थियों को संगीत की बारीकियाँ सिखाईं। इनमें से अनेक आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। विजय शंकर चतुर्वेदी, राष्ट्र टाइम्स के संपादक जो उनके सुपुत्र हैं ने कहा कि₹ यह दशार्ता है कि बाबूजी की विरासत केवल संगीत तक सीमित नहीं थी,

बल्कि समाज के विविध क्षेत्रों में भी फैली हुई है। आज उनकी पुण्यतिथि पर, उनका परिवार, शिष्यगण और संगीत प्रेमी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को नमन कर रहे हैं। विशेष सभा का आयोजन उनके पुराने संगीत विद्यालय में किया गया, जहाँ शिष्यों ने रागों के माध्यम से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। स्वर्गीय हीरालाल चतुर्वेदी जी जैसे व्यक्तित्व सदियों में एक बार जन्म लेते हैं। उनका जीवन और कार्य आज भी अनगिनत कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। भारतीय संगीत जगत उनका सदा ऋणी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

मच्छर के बढ़ते प्रकोप को लेकर नगर परिषद ने वार्डों में कराई फॉगिंग

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शहर के विभिन्न वार्डों में बढ़ते मच्छर का प्रकोप को लेकर नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में शुक्रवार देर रात को फॉगिंग किया गया। इससे शहरी क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप घटेगी। प्रशासक, नगर परिषद श्री अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि पानी पड़ने के बाद मच्छर बढ़ा है और उसके काटने से बीमारी भी फैल रहा है। इसे देखते हुए शुक्रवार से नगर परिषद की ओर से फागिंग मशीन से मच्छर रोधी दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। फॉगिंग नगर परिषद के सभी वार्डों में किया जाएगा। साफ-सफाई सहित दवा के छिड़काव शुरू होने से मच्छरों के आतंक से नगर-वासियों को राहत मिलेगी।

सेवानिवृत्त आर्मी जवान विष्णु देव मंडल के आकस्मिक निधन से शोक

तिरंगे से सजा-धजा कर निकाली गई दिवंगत आर्मी जवान की शवयात्रा ,

मुंगेर। मुंगेर जिला अंतर्गत बरियारपुर प्रखंड के सरस्वती ग्राम निवासी 92 वर्षीय सेवानिवृत्ति आर्मी का जवान विष्णु देव मंडल का आकस्मिक निधन उनके पैतृक आवास पर बीते रात हो गई। मिलिट्री बाबू के नाम से चर्चित विष्णु देव मंडल के निधन की खबर सुनते ही घर परिवार समाज मैं कोहराम मच गया। हालांकि जीवन के सभी आयामों से संपूर्ण उनके घर परिवार के लोगों ने मिलिट्री बाबू के निधन को एक यादगार बनाने को लेकर गांव में तिरंगा से सजा शव यात्रा निकाल कर उन्हें अंतिम विदाई दी गई। मिलिट्री बाबू के साहस वीरता की कहानी उनके शव यात्रा के दौरान घर परिवार समाज के लोगों पर चर्चा का विषय बना हुआ था। मिलिट्री बाबू के नाम से चर्चित विष्णु देव मंडल 1962 में चीन एवं 1971 में पाकिस्तान के युद्ध अहम भूमिका निभाने का काम किए थे। वर्तमान में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेड पर लेते मिलिट्री बाबू ने देशभक्ति के नाम संदेश भी दिए थे कि अगर देश को मेरी जरूरत होगी तो आज भी हम सरहद पर पहुंच कर जवानों की हौसला बढ़ाने को लेकर तैयार रहेंगे। मिलिट्री बाबू के दोनों पुत्र संजय मंडल एवं रंजय मंडल,बेटी सामाजिक नेत्र तनुजा मंडल एवं दामाद पटेल सेवा संघ के सचिव लटोरी मंडल, जितेंद्र, राहुल सहित कई सामाजिक राजनीतिक नेता कार्यकताओं ने शव यात्रा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित किए।

रेलवे की जमीन अतिक्रमण एवं गरीबों से रोजगार छिनने को लेकर सपा ने सीएम एंव जीएम को लिखा पत्र

जमालपुर। नगर परिषद जमालपुर द्वारा रेलवे की जमीन को अतिक्रमण करने एवं गरीबों से रोजगार छिनने से खिन्न समाजवादी पार्टी सह जमालपुर रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा के मीडिया प्रभारी मनोज क्रांति ने बिहार के मुख्यमंत्री के साथ-साथ पूर्व रेलवे कोलकाता के रेल महाप्रबंधक को पत्र लिख कर इस मामले में अविलंब संज्ञान लेने की गुहार लगाई है। सपा नेता मनोज क्रांति ने जीएम को लिखे पत्र में कहा है कि रेल जिला जमालपुर पूरे देश में रेल नगरी के रूप में विख्यात है, जहां एशिया महादेश का प्रथम कारखाना सहित रेल की कई बड़ी इकाइयां स्थापित है। चूंकि रेल सेवा देश की सबसे बड़ी सेवा के साथ ही देश की आर्थिक रीढ है। बावजूद, जिस तरह से रेलवे की जमीन को जमालपुर नगर परिषद द्वारा सौन्दर्यीकरण के नाम पर, कहीं कुछ के नाम पर, कहीं मूर्ति लगाने के नाम पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिसका ज्वलंत उदाहरण है, जुबली वेल चौक जहां से रेलवे की बड़ी बड़ी गाडियां गुजरती है और कारखाना माल लेकर जाती है, उस जगह के दाहिने ओर जो रेलवे की जमीन है, वहां पर नगर परिषद के द्वारा बैठने के लिए शेड व अन्य चीजों का निर्माण करवाया जा रहा है। और स्थानीय रेलवे प्रशासन मूकदर्शक बना है। जबकि रेल क्षेत्र का कभी भी कहीं भी विस्तारीकरण हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में रेलवे को अपनी जमीन चिन्हित करनी चाहिए। लेकिन यहां तो बिना एनओसी के रेलवे की जमीन पर नगर परिषद द्वारा कब्जा करने का खेल जारी है। जिस पर अविलंब अंकुश लगाने की आवश्यकता है। वहीं मनोज क्रांति ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे पत्र में कहा है कि जमालपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी तुगलकी फरमान जारी कर सौन्दर्यीकरण के नाम पर गरीबों को उजाड़ कर उसके मुख से निवाला छिनने का काम कर रही है। जिसका व्यापक प्रभाव अगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है। नगर परिषद प्रशासन की इस कारगुजारी से आपके नेतृत्व वाली पिछड़ों की सरकार जा सकती है। क्योंकि धन पशुओं की धमक वाले नगर परिषद जमालपुर में सौन्दर्यीकरण के नाम पर भारी लुट खसोट हो रहा है। और राजनीतिक व समाजिक कार्यकताओं द्वारा उचित कार्यवाही करने के मांग पर उसे धमकाने का प्रयास किया जाता है, जो कहीं से भी न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। नगर परिषद प्रशासन की इन कारगुजारियों की जांच की आवश्यकता है।

झारखंड बंगाली समिति की केंद्रीय कमिटी की बैठक देवघर के करौं में सम्पन्न

बंगाली संस्कृति और भाषा के संरक्षण पर जताई चिंता, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

करों, देवघर

बीते शनिवार को देवघर जिले के करौं प्रखंड स्थित विकास विद्यालय में झारखंड बंगाली समिति की केंद्रीय कमिटी की एक अहम बैठक अध्यक्ष विद्रोह कुमार मित्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में जमशेदपुर से संपादक तपन कुमार सेन शर्मा, दुमका जिले से सुब्रत कुमार सिंह एवं दयामय मांझी, जामताड़ा से डॉ. दुर्गा दास भंडारी, दीप्ति बिराज पॉल, कंचन गोपाल मंडल, देवघर जिले से विकास मित्रा, करौं प्रखंड से आशीष आचार्य, शिशिर विष्णु, आभास चंद्र बॉल, प्रसांतो बनर्जी, असीम बॉल, अभिजीत बॉल, निरंजन शर्मा, समाजसेवी बाबूलाल जी, पालाजोरी शाखा से संतोष दत्ता, तथा मारगोमुंडा प्रखंड के धमणी से सचिन दत्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बैठक की प्रमुख बातें:

बैठक में सदस्यों ने राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड की धरती पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, काजी नजरुल इस्लाम, पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर तथा सर जगदीश चंद्र बोस जैसे महान बंगाली महापुरुषों की उपस्थिति रही है। फिर भी वर्तमान सरकारें बंगाली भाषा और संस्कृति के अस्तित्व को नकारने पर आमादा हैं। सरकारी स्कूलों में बंगला भाषा में पहली से दसवीं तक की पुस्तकों की घोषणा के बावजूद अब तक व्यापक अनियमितता देखी जा रही है। साथ ही राज्य के शिक्षा मंत्री के ₹पहले छात्र दो फिर शिक्षक और किताब देंगे₹ जैसे गैर जिम्मेदाराना बयान से बंगाली समुदाय में गहरी नाराजगी है।

सरकार के खिलाफ रोष:

बैठक में यह भी बताया गया कि बंगला भाषा में रेलवे स्टेशनों के नाम लिखने की परंपरा समाप्त कर दी गई है और स्टेशनों व ट्रेनों की घोषणाएं अब बंगला में नहीं की जातीं, जिससे लोगों में असंतोष है। साथ ही रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम बदलने और बंगाली महापुरुषों के नाम पर स्थापित स्थानों का नाम हटाने जैसी घटनाएं बंगाली संस्कृति पर कुठाराघात हैं।

केंद्रीय समिति ने पारित किए चार प्रस्ताव:

1. नंदन कानन को घोषित किया जाए हेरिटेज जोन कमार्टांड़ स्थित नंदन कानन, जो पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर की कर्मभूमि रही है, को झारखंड सरकार हेरिटेज घोषित करे। 2. बंगाली महापुरुष के नाम पर ट्रेन सेवा झ केंद्र सरकार से मांग की गई कि पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर के नाम से हावड़ा से देवघर तक एक नई ट्रेन चलाई जाए। 3. गिरिडीह स्टेशन का नाम बदलने की मांग झ गिरिडीह स्टेशन का नाम बदलकर ₹सर जगदीश चंद्र बोस स्टेशन रखा जाए, जैसे गोमो स्टेशन का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर किया गया है। 4. कमार्टांड़ प्रखंड का नामकरण झ पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा की गई घोषणा के अनुसार कमार्टांड़ प्रखंड का नाम ₹विद्यासागर प्रखंड किया जाए, जिसे आज तक लागू नहीं किया गया है।

प्रो. रामकांत द्विवेदी ने 'समरसता दिवस' पर दिल्ली हाईकोर्ट में दिया व्याख्यान भाषण

नई दिल्ली , ।डॉ. भीमराव अंबेडकर की विरासत को समर्पित *समरसता दिवस* के अवसर पर एमईआरआई सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (सीआईएस) के प्रमुख प्रो. (डॉ.) रामकांत द्विवेदी ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक प्रभावशाली और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जसमीत सिंह, अनेक गणमान्य अतिथि और विधि विशेषज्ञ उपस्थित थे। प्रो. द्विवेदी ने भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भारत के संवैधानिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसका सख्त और ठोस जवाब दिया जाएगा। उन्होंने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकियों द्वारा किए गए हमले का उल्लेख किया, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया था। इसके जवाब में भारत ने 7 मई 2025 को पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में मौजूद 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों पर सटीक सैन्य कार्रवाई की।जस्टिस जसमीत सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान को एक दूरदर्शी और ज्ञानवर्धक दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा, ह्लजितना अधिक हम इसे पढ़ते और समझते हैं, उतना ही अधिक हम शिक्षित होते हैं। इस संविधान की रक्षा हर नागरिक की साझा ज़िम्मेदारी है।ह्वप्रो. द्विवेदी ने बाबा साहब अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी नागरिकों से संविधान के आदर्शों को अपनाने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस मौके पर एडवोकेट अखिल जैटली और प्रो. ललित अग्रवाल, उपाध्यक्ष,मेरी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, भी उपस्थित रहे और अन्य अतिथियों से विचार-विमर्श किया।

केरेडारी में बड़ा पुलिस एक्शन: लूटकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी थाना क्षेत्र के कोदवे मोड़ पर 14 मई की रात एक बड़ी लूटपाट की घटना सामने आई। तीन अपराधियों ने एक राहगीर से उसकी मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर खल 03 अए 7104) और रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए। इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया, सुचना मिलते ही केरेडारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का सफलतापूर्वक पदार्फाश कर दिया। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने केरेडारी थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी विवेक कुमार ने एक विशेष जांच टीम का गठन किया, जिसमें अवर निरीक्षक टिंकू कुमार सिंह, अनूप कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रविन्द्र कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने एक योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी अभियान चलाया, जिसमें तीन अपराधियों झ तिरबिन महतो (पिता- जीतन महतो, ग्राम- पगार), मो. अख्तर उर्फ कारू (पिता- मो. सहादत, ग्राम- कवेद), और मो. जुबैर (पिता- मो. अब्दुल सत्तार, ग्राम- कवेद) को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अपराधियों के पास से लूटी गई मोटरसाइकिल और रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। मेडिकल जांच के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी विवेक कुमार ने कहा, यह सफलता हमारी टीम की सतर्कता और मेहनत का परिणाम है। क्षेत्र में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों ने पुलिस की तत्परता और कर्मठता की सराहना की है। जानकारो ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले भी लूटपाट की घटना काफी हुई हैं किन्तु पहली बार ऐसा हुआ है जब इतनी शिघ्रता से किसी घटना का उद्भेधन किया गया इस ऑपरेशन ने से आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ाया है।

मुंगेर के सीताकुंड का विकास होने से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

6.98 करोड़ से होगा मुंगेर के सीताकुण्ड का विकास

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, रोजगार के बनेंगे नए अवसर- सम्राट चौधरी

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। हमारी कोशिश है कि धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों की विरासत को संरक्षित करते हुए रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। इसी क्रम में मुंगेर जिले के सीताकुण्ड में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु 6.98 करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है. वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत प्रथम किस्त के रूप में 3.49 करोड़ रुपये की राशि की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति दी गई है। यह योजना अगले 12 महीनों में पूरी की जाएगी, जिससे स्थानीय और बाहरी पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सीताकुण्ड में प्रस्तावित विकास कार्यों में प्रवेश द्वार का निर्माण, शौचालय ब्लॉक, दुकानों की व्यवस्था, चहारदीवारी, पार्किंग क्षेत्र, साइट का समग्र विकास, कुण्ड के चारों ओर सीढ़ियों का निर्माण सहित अन्य संरचनाएं शामिल हैं। इस परियोजना का कार्यान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा।

मुंगेर का सीताकुण्ड एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां रामायण काल में माता सीता द्वारा अग्नि परीक्षा देने की मान्यता है। कहा जाता है कि जहां वे खड़ी हुईं, वहां गर्म जल का कुंड प्रकट हुआ, जो आज भी सालभर गर्म रहता है। इसे रामतीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। सालभर श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन माघ महीने में आयोजित मेला इसकी खास पहचान है। सरकार ने इस धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल के विकास के लिए कदम उठाए हैं, जिससे पर्यटन को बढ़ावा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

विधानसभा आवास समिति ने चतरा जिला का किया दौरा

विभागीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर दी आवश्यक दिशा निर्देश

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। झारखंड विधानसभा की आवास समिति ने चतरा जिला का दौरा किया। इस अवसर पर समिति के सभापति दशरथ गागराई एवं सदस्य प्रदीप प्रसाद ने चतरा समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर आमंत्रित सदस्य के रूप में चतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनार्दन पासवान शामिल हुए। बैठक से पूर्व समिति के सदस्यों के चतरा आगमन पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने आभार प्रकट करते हुए पुष्प गुच्छ एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। बैठक में विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, ग्रामीण विकास, पथ निर्माण, जल संसाधन, कृषि एवं पशुपालन, कल्याण, उत्पाद, परिवहन, वन, राजस्व एवं भूमि सुधार, खनन सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। भवन निर्माण विभाग को सरकारी भवनों की मरम्मती कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरा करने को कहा गया।प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना के लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा लंबित आवासों के निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग को निमार्णाधीन विद्यालय भवनों का कार्य समय पर पूरा करने एवं अतिरिक्त क्लास रूम निर्माण को लेकर विभाग को पत्राचार करने को कहा गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के क्रम में दवाई की उपलब्धता, सेक्शन पद के विरुद्ध नियुक्त चिकित्सकों, कर्मियों, एंबुलेंस की उपलब्धता समेत अन्य की बिंदुवार जानकारी ली गई एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश और सुझाव दिए। समीक्षा के क्रम में माननीय सभापति द्वारा विद्युत विभाग को उन टोलों में विद्युतीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया जहाँ अब तक यह कार्य लंबित है। जिले में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति हो इसके लिए उन्होंने कहा वैसे पावर ग्रिड जो जिले में बन कर तैयार है और किसी समस्याओं के कारण संचालित होने में कठिनाई हो रही है तो संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए निष्पादन कराएं। वहीं पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चतरा के कार्यपाल अभियंता द्वारा शहरी जलापूर्ति को लेकर जानकारी दिया गया कि शहरीजलापूर्ति जिले के हेरुआ डैम से किया जाता था लेकिन वर्तमान में डैम की पानी सुख जाने के कारण राशनिंग करते हुए शहरी जलापूर्ति लक्ष्मण पुर भेड़ी फॉर्म डैम से किया जा रहा है। बैठक के अंत में अपर समाहर्ता ने समिति को आश्वस्त किया कि दिए गए सभी सुझावों व निदेर्शों का अनुपालन सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। इस बैठक में मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनिंदर भगत, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद समेत अन्य सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारी एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर 6050 रुपये का जुमार्ना वसूला गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर एवं नगर प्रशासक के द्वारा जिले के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत को परिसर के किनारे खड़े दो पहिया वाहनों को उठाकर नगर थाना ले जाया गया जहां सभी वाहन चालकों से नो पार्किंग का जुमार्ना वसूला गया साथ ही विभिन्न चौक चौराहों के पास अनधिकृत रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। गौरतलब है कि कई बार प्रशासनिक चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई वाहनों शहरों में यत्र-तत्र खड़े होने से जाम की समस्या उत्पन्न होने की शिकायत लगातार प्रशासन को मिल रही थी। डटीओ एवं नगर परिषद द्वारा इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोर्ट परिसर के किनारे अनधिकृत रूप से पार्किंग किए गए कई वाहनों (बाइक दो पहिया वाहन) को टोइंग गाड़ी से टो करके नगर थाना लाया गया। साथ ही कुल दस दो पहिया वाहनों से बिना हेलमेट ड्रंक एंड ड्राइव करने को लेकर एमबी एक्ट के अंतर्गत दंड की राशि ई पोश मशीन के माध्यम से कुल 6 हजार 650 रुपए की वसूली की गई तथा चेतावनी दी गयी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होती है तो लाइसेंस को निरस्त कर दिया जाएगा एवं कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी.

अमेरिकी दबाव के संदर्भ में पुतिन की महत्वपूर्ण भारत यात्रा

विचार

"यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियानों के मुख्य लक्ष्यों में से एक 'गैर नाज़ीकरण' रहा है। मित्र देशों के नेताओं को निमंत्रण का उद्देश्य केवल रूस की साझेदारी की विश्वसनीयता का प्रदर्शन करना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी है कि राष्ट्रवाद की आड़ में फासीवादी अभी भी बहु-जातीय और बहु-सांस्कृतिक देशों को तोड़ने के लिए उपयोग करते हैं। इस तरह उनके खिलाफ लड़ाई अभी भी प्रासंगिक और आवश्यक है। भारत-रूस संबंध वार्षिक रणनीतिक साझेदारी बैठक का प्रारूप अधिक फलदायी रहा है और दोनों देशों के संबंध इस आधार पर लगातार मजबूत हुए हैं।"

डॉ. अजय पटनायक

रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी। मास्को में 9 मई को हजारों रूसी सैनिकों ने रेड स्क्वायर पर मार्च किया जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाज़ी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80 वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेता उपस्थित थे। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए 2.5 करोड़ से 2.7 करोड़ सोवियत सैनिकों और नागरिकों को यह दिन समर्पित किया गया। भारत की ओर से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रतिनिधित्व किया क्योंकि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और परवर्ती घटनाओं के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल नहीं हो सके। पहलगाम हमले के बाद पुतिन और मोदी ने फोन पर बातचीत के दौरान भारत-रूस संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर चर्चा की। पुतिन ने इस बार भारत में दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। अक्टूबर, 2000 में भारत-रूस सामरिक भागीदारी संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री व रूसी परिसंघ के राष्ट्रपति के बीच शिखर बैठकें होती रही हैं जिनमें दोनों देश सर्वोच्च स्तर पर अपने संबंधों का जायजा लेते हैं और उन्हें दिशा एवं प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। ये दौरे प्रत्येक देश के नेताओं के बीच वैकल्पिक होते हैं। चूंकि मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस का दौरा किया था इसलिए रूसी राष्ट्रपति की अगली यात्रा इस साल कभी भी होने की उम्मीद है। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव ने रूस को पश्चिम के बाहर सहभागियों की तलाश करने के लिए मजबूर किया। पुतिन ने ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे मंचों पर नेताओं से मिलने के हर अवसर का उपयोग किया है लेकिन अधिक उपयोगी और सहायक स्टैंड-अलोन द्विपक्षीय बैठकें हैं। रूस ने बहुपक्षीय और द्विपक्षीय दोनों प्रारूपों की कोशिश की है। 2022 में ही सभी पांच मध्य एशियाई नेताओं ने मास्को में 9 मई को आयोजित विजय दिवस परेड में भाग लिया था। इस साल रूस ने जीत की 80वीं वर्षगांठ के लिए भारत और चीन सहित कई अन्य 'मित्र' देशों के नेताओं को आमंत्रित किया। यूक्रेन में युद्ध के बाद से इस विजय दिवस परेड का रूस के लिए विशेष अर्थ है। यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियानों के मुख्य लक्ष्यों में से एक 'गैर नाज़ीकरण' रहा है। मित्र देशों के नेताओं को निमंत्रण का उद्देश्य केवल रूस की साझेदारी की विश्वसनीयता का प्रदर्शन करना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी है कि राष्ट्रवाद की आड़ में फासीवादी अभी भी बहु-जातीय और बहु-सांस्कृतिक देशों को तोड़ने के लिए उपयोग करते हैं। इस तरह उनके खिलाफ लड़ाई अभी भी प्रासंगिक और आवश्यक है। भारत-रूस संबंध वार्षिक रणनीतिक साझेदारी बैठक का प्रारूप अधिक फलदायी रहा है और दोनों देशों के संबंध इस आधार पर लगातार मजबूत हुए हैं। 2000 के बाद यूक्रेन युद्ध की शुरुआत तक दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व बैठक कर रहे हैं।

दो साल के अंतराल के बाद मोदी ने 2024 में रूस का दौरा किया और इस साल पुतिन की यात्रा होने वाली है। जब पुतिन ने वर्ष 2021 में भारत का दौरा किया था तब अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) एवं व्लादिवोस्तोक-चेन्नई कॉरिडोर जैसे परिवहन गलियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अगले साल यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में समरकंद (एससीओ बैठक) में बैठक हुई। रूस के हित मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित थे कि मित्र देशों को यूक्रेन पर अपनी स्थिति कैसे समझाई जाए। समरकंद में मोदी ने प्रसिद्ध बयान दिया कि 'अब युद्धों का युग नहीं है'। 2024 में कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन - मोदी बैठक हुई जिसके बाद जुलाई 2024 में 22वें वार्षिक रणनीतिक साझेदारी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ये बैठकें रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की परवाह किए बिना व्यापार और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने में मदद करती हैं। तेल आयात रोकने के पश्चिमी देशों के आह्वान के बावजूद भारत ने रूसी तेल खरीद जारी रखी। भारत ने यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कभी मतदान नहीं किया है जिसे मास्को द्वारा बहुत सराहा गया। 2025 में दोनों नेताओं की अगली बैठक वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ प्रमुख बदलावों की पृष्ठभूमि में होगी। राजनीतिक दृष्टि से रूस पर अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते तक पहुंचने के लिए दबाव डाला जा रहा है। रूस ने युद्ध समाप्त करने की इच्छा तो दिखाई है लेकिन वह तीन वर्षों में किए गए लाभ की कीमत और यूक्रेन के लिए नाटो सदस्यता के विरोध जैसे अपने अन्य मुख्य सुरक्षा हितों की कीमत पर ऐसा करने के लिए तैयार नहीं है। रूस द्वारा 19-20 अप्रैल को 30 घंटे के घोषित ईस्टर युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों के बीच वास्तविक युद्धविराम अभी भी दूर है। रूस द्वारा संघर्ष विराम समझौते में विलम्ब को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति समय-समय पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी देते हैं। आज अमेरिका के सभी व्यापारिक भागीदारों पर अमेरिकी टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। इसमें भारत भी शामिल है जो नए अमेरिकी प्रशासन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार और काम करने के बावजूद निश्चित नहीं है कि अमेरिकी नेता की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए भविष्य क्या होगा। सभी देशों को पता है कि रियायतें देने से आगे रियायतों की मांग होगी जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए हानिकारक हो सकती है। खुद को और अधिक अमेरिकी झटकों से बचाने के लिए भारत व रूस को आपस में तथा अन्य देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक संबंधों का विस्तार करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए चीन हाल ही में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने के लिए वियतनाम, कंबोडिया तथा मलेशिया के साथ बातचीत कर रहा है। भारत व रूस को अपने व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करना होगा जिसमें भारतीय कंपनियां रूस के तेल व गैस, फार्मास्यूटिकल्स एवं आईटी क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं जबकि रूसी कंपनियां भारत के ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। ये सब अमेरिका का विरोध किए बिना किया जाना चाहिए और इसके लिए चतुराई भरी बातचीत और रणनीति की आवश्यकता है। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से वैश्विक भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और रणनीतिक संदर्भ बदल गए हैं। रूस अब एक बहिष्कृत देश नहीं है जिसे अमेरिका यूक्रेन पर एक सौदा करने के लिए उलझा रहा है। अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते के सिलसिले में चर्चा के लिए मास्को मददगार हो सकता है। रूस के साथ अमेरिका ऊर्जा समझौते भी चाहता है। इस पृष्ठभूमि में पुतिन की नई दिल्ली यात्रा पर वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा। चूंकि भारत अमेरिका का भी करीबी है इसलिए अमेरिका नई दिल्ली को संकेत दे सकता है कि वह रूस के साथ बातचीत से क्या चाहते हैं। रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी जो मास्को और कीव दोनों को स्वीकार्य होगा। हालांकि पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि हो गई है लेकिन तारीखों की घोषणा अभी बाकी है। व्यापार व टैरिफ मुद्दों एवं युद्ध के बाद शांति प्रयासों के लिए मास्को और नई दिल्ली को रणनीतिक रूप से संलग्न होने की जरूरत होगी जो नेताओं की उच्चतम स्तर पर बैठक द्वारा सबसे अच्छी तरह से पूरा होता है। यह पुतिन की आगामी यात्रा को महत्वपूर्ण बनाता है।

(लेखक सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं।)

संपादकीय

जनप्रतिनिधि सोच-समझकर बोलें

पहले बिना सोचे-समझे बयानबाजी करना और विवाद खड़ा होने लगे तो माफीनामा पेश करना, हमारे नेताओं का शगल हो गया है। हैरत इस बात की है कि समय-समय पर अदालतों की फटकार का भी इन पर असर नहीं होता। ताजा मामला मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह और सपा नेता रामगोपाल यादव का है। दोनों ने अलग-अलग मौकों पर भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' का चेहरा बनीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को लेकर विवादास्पद टिप्पणियां कीं। विजय शाह को तो सुप्रीम कोर्ट ने वही नसीहत दी जो जिम्मेदार पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति को दी जानी चाहिए। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ओर से मंत्री पर एफआइआर के निर्देश के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई करते हुए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने मौखिक रूप से टिप्पणी भी की है कि मंत्री द्वारा बोले गए हर वाक्य में जिम्मेदारी होनी चाहिए। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी का जिक्रकरते हुए एक संबोधन में जो कुछ कहा वह सार्वजनिक है। इसके लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से उन्हें फटकार भी मिली है। आलोचना के घेरे में आने पर वे अब माफी मांगने के साथ यह भी सफाई दे रहे हैं कि मीडिया ने बयान को संदर्भ से बाहर ले लिया है। वहीं दूसरी ओर मुरादाबाद में सपा नेता रामगोपाल यादव तो विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिगत टिप्पणी करने से भी नहीं चूके। जाहिर है कि राजनेताओं के बड़बोले बयानों की यह 'बीमारी' किसी एक राजनीतिक दल से भी जुड़ी नहीं है। जिसे जहां दांव लगता है सुर्खियों में आने के लिए बेसिर-पैर के बयानों की बौछार शुरू कर देता है। ज्यादा बवाल होने पर राजनीतिक दल उन पर निलंबन व निष्कासन की कार्रवाई कर देते हैं। इस बात पर विचार शायद ही किसी दल में होता हो कि आखिर ऐसे लोगों को जनप्रतिनिधि बनने का मौका ही क्यों दिया जाता है। जाहिर है इनका चुनाव जनता करती है। लेकिन जनता भी उन्हें ही चुनती है जिनको राजनीतिक दल उम्मीदवार बनाते हैं। सिर्फ जिताऊउम्मीदवार ही राजनीतिक दलों की प्राथमिकता रहने लगे हैं। न तो ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की परवाह की जाती और न ही उनके आचार-विचार की पड़ताल की जाती। तमाम जनप्रतिनिधियों पर ही यह बात लागू होती है कि वे जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देने वालों से यह सवाल जरूरी है कि जनमानस उद्वेलित करने वाले बयान स्वीकार ही क्यों होने चाहिए? राजनीतिक दल भी ऐसे लोगों की अपने स्तर पर सफाई करने लगेंगे तो बयानवीरों की फौज स्वतः ही खत्म होने लगेगी।

गुजरात समाचार के मालिक की गिरफ्तारी मीडिया की आज़ादी पर हमला: प्रेस संगठन

ब्यूरो

गुजरात समाचार अख़बार के मालिक की गिरफ्तारी को लेकर मीडिया संगठनों ने प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। क्या यह मामला सत्ता के आलोचकों को दबाने की कोशिश है? जानिए पूरे विवाद को और प्रतिक्रियाएं। प्रमुख पत्रकार संगठनों ने गुजरात के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र 'गुजरात समाचार' के मालिक बाहुबली शाह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी पर गहरी चिंता जताई है। इन संगठनों ने इस कार्रवाई को प्रेस की आज़ादी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करार दिया है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन वीमेंस प्रेस कॉर्प्स, प्रेस एसोसिएशन, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स और वर्किंग न्यूज़ कैमरामैन एसोसिएशन सहित प्रमुख पत्रकार संगठनों ने इसको लेकर साझा बयान जारी किया है। इन पत्रकार संगठनों ने एक बयान में कहा, 'हम, हस्ताक्षरकर्ता पत्रकार संगठन, गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। यह कार्रवाई प्रेस की स्वतंत्रता और उन लोकतांत्रिक मूल्यों पर एक परेशान करने वाला हमला दिखाती है, जो भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को कायम रखते हैं। बयान में गुजरात समाचार को 'स्वतंत्र पत्रकारिता की लंबी विरासत वाला एक सम्मानित प्रकाशन' बताया गया। यह गुजरात और उसके बाहर के लोगों की महत्वपूर्ण आवाज़ रहा है। संगठनों ने ईडी की कार्रवाई को राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि यह मीडिया हाउस को चुप कराने और असहमति की आवाजों को दबाने का प्रयास है। संगठनों ने चेतावनी दी कि ईडी और संबद्ध एजेंसियों द्वारा मीडिया को बार-बार निशाना बनाना संविधान में निहित लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को कमजोर करता है और संस्थानों में जनता का भरोसा खत्म करता है। बयान में कहा गया, 'मीडिया का सत्ता को जवाबदेह ठहराने में महत्वपूर्ण योगदान है, खासकर एक कार्यशील लोकतंत्र में। मीडिया और पत्रकारों को परेशान किया जाना तुरंत बंद करना चाहिए। पत्रकार संगठनों ने आरोपों के संबंध में पूरी पारदर्शिता की मांग की और अधिकारियों से सही प्रक्रिया, निष्पक्षता और कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और मजबूत लोकतंत्र के हित में स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा देने की अपील की। संगठनों ने बाहुबली शाह की तत्काल रिहाई की मांग की, जब तक कि विश्वसनीय सबूत पारदर्शी तरीके से पेश नहीं किए जाते। बयान में कहा गया, 'हम मांग करते हैं कि बाहुबली शाह को तुरंत रिहा किया जाए, जब तक कि विश्वसनीय सबूत पारदर्शी तरीके से पेश न किए जाएं। बाहुबली शाह गुजरात समाचार और जीएसटीवी चैनल को चलाने वाली कंपनी लोक प्रकाशन लिमिटेड के निदेशक हैं। उनको गुरुवार को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले, 14 मई को आयकर विभाग ने गुजरात समाचार के मुख्यालय, बाहुबली और उनके भाई श्रेयांस शाह के आवासों सहित 24 स्थानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने इसके बाद गुरुवार को समाचार पत्र के कार्यालयों और मालिकों के आवासों पर तलाशी अभियान चलाया। 73 वर्षीय बाहुबली शाह को गिरफ्तारी के बाद स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें उसी दिन स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मिल गई। हालांकि, इस कार्रवाई ने प्रेस स्वतंत्रता और सरकारी दबाव के मुद्दे पर व्यापक बहस छेड़ दी है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने इस गिरफ्तारी को लोकतंत्र की आवाज को दबाने की साजिश बताया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'गुजरात समाचार को चुप कराने की कोशिश सिर्फ एक अखबार पर हमला नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की आवाज को दबाने की साजिश है।' आप नेता अरविंद केजरीवाल ने इसे बीजेपी की हताशा का संकेत बताया और कहा कि वह सच बोलने वाली हर आवाज को चुप करना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने भी इस कार्रवाई को स्वतंत्र मीडिया पर सरकारी दबाव का हिस्सा बताया। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करार दिया। बता दें कि 1932 में स्थापित गुजरात समाचार गुजरात का सबसे बड़ा और सबसे पुराना दैनिक समाचार पत्र है जो अपनी निडर और सरकार-विरोधी संपादकीय नीति के लिए जाना जाता है। यह अहमदाबाद और गुजरात के अन्य शहरों के साथ-साथ महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भी प्रकाशित होता है। कांग्रेस ने दावा किया कि हाल के भारत-पाकिस्तान तनाव पर इसकी आलोचनात्मक संपादकीय नीति ने सरकार का गुस्सा भड़काया, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्रवाई हुई।

बदलती दुनिया में पेरेंटिंग और शिक्षा पर पुनर्विचार करना

विजय गर्ग

आज की जमकर प्रतिस्पर्धात्मक और तेज़ी से बदलती दुनिया में शिक्षा को अक्सर बच्चे के भविष्य की बुनियाद माना जाता है. भारत भर में और वास्तव में विश्व स्तर पर शैक्षणिक उपलब्धि को अक्सर सफलता का सबसे विश्वसनीय संकेतक माना जाता है। माता-पिता अपने बच्चों को यह सुनिश्चित करने के लिए बड़ी लंबाई में जाते हैं कि वे निजी ट्यूशन में निवेश करें, उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में दाखिला दें, और हर ग्रेड पर सावधानीपूर्वक ध्यान दें। जबकि इस तरह के प्रयास प्रेम और महत्वाकांक्षा से प्रेरित होते हैं, शिक्षाविदों पर यह संकीर्ण ध्यान सीमित हो सकता है। एक बच्चा तथ्यों से भरा होने वाला कंटेनर नहीं है, बल्कि एक अद्वितीय व्यक्ति है जिसके व्यक्तित्व, भावनात्मक कल्याण और चरित्र का पोषण किया जाना चाहिए। जैसा कि कहावत है, "सभी काम और कोई भी खेल जैक को सुस्त लड़का नहीं बनाता है इसलिए, पेरेंटिंग रिपोर्ट कार्ड से बहुत परे है। यह एक दीर्घकालिक जिम्मेदारी है जिसमें भावनात्मक समर्थन, मूल्य-निर्माण और बच्चों को जीवन के अपरिहार्य उतार-चढ़ाव को नेविगेट करने के लिए तैयार करना शामिल है। उडश्क्क़ 19 महामारी ने हमारे शैक्षिक और पेरेंटिंग फ्रेमवर्क में कई दरारें उजागर कीं। स्कूल बंद होने और दिनचर्या बाधित होने के साथ, माता-पिता को कई भूमिकाएँ निभानी थीं: शिक्षक, भावनात्मक एंकर और निरंतर साथी। भारत में, यह चुनौती डिजिटल विभाजन-कई बच्चों द्वारा जटिल थी, विशेष रूप से ग्रामीण या आर्थिक रूप से वंचित समुदायों में, ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच का अभाव था। यह दोहरी बोझ-अकादमिक निरंतरता और मानसिक कल्याण-तेज फोकस में लाया गया है जो पेरेंटिंग और शिक्षा के लिए अधिक समग्र और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आज, दुनिया सिर्फ अकादमिक ज्ञान से अधिक मूल्यों । नियोक्ता और संस्थान तेजी से ऐसे व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं जो रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनशीलता और महत्वपूर्ण सोच प्रदर्शित करते हैं। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 इस विकास को मान्यता देती है, जो एक अच्छी तरह से गोल शैक्षिक मॉडल को बढ़ावा देती है। लेकिन नीतियां केवल परिवर्तन नहीं चला सकती हैं। यह माता-पिता हैं, जिन्हें घर पर इन सिद्धांतों को गले लगाना और उनका पालन करना चाहिए, बच्चों को अपने हितों का

पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए-यह संगीत, खेल, कला या उद्यमिता-और उन्हें आत्म-मूल्य और उद्देश्य की एक मजबूत भावना बनाने में मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य, एक बार एक हश-हश विषय, आखिरकार मुख्यधारा की पेरेंटिंग बातचीत में स्वीकार किया जा रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि किशोरों के बीच भारत में चिंता और अवसाद की दर सबसे अधिक है। इसमें से अधिकांश तीव्र शैक्षणिक दबाव, सीमित पारिवारिक संचार और भावनात्मक सत्यापन की कमी से उपजा है। सोशल मीडिया के युग में, बच्चे लगातार अवास्तविक मानकों और तुलना के संपर्क में आते हैं, जिससे उनके तनाव का स्तर और बढ़ जाता है। यहां, माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक रोगी श्रोता होने के नाते, खुले संवाद को बढ़ावा देना, और विकास के हिस्से के रूप में विफलता को सामान्य करना बच्चे के दृष्टिकोण को बदल सकता है। चरित्र विकास और मूल्य पेरेंटिंग का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। स्कूल केवल नैतिकता और अच्छे व्यवहार को भड़काने में इतना कुछ कर सकते हैं। यह घर पर है कि बच्चे अपने माता-पिता का पालन करके ईमानदारी, दया, सम्मान और सहानुभूति के बारे में सीखते हैं। अक्सर ध्रुवीकरण और विभाजन द्वारा परिभाषित दुनिया में, ये गुण न केवल वांछनीय हैं, बल्कि आवश्यक हैं। माता-पिता को उदाहरण के लिए नेतृत्व करना चाहिए, क्योंकि बच्चे जितना मानते हैं उससे कहीं अधिक नकल करते हैं। डिजिटल युग में बच्चों के ऑनलाइन व्यवहार का मार्गदर्शन करना भी एक मुख्य जिम्मेदारी बन गया है। सीखने और अवकाश के साथ अब प्रौद्योगिकी के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है, माता-पिता को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उनके बच्चे जिम्मेदार डिजिटल आदतें विकसित करें। उन्हें विश्वसनीय जानकारी की पहचान करने, सम्मानपूर्वक ऑनलाइन संलग्न करने और स्क्रीन समय पर सीमाएं निर्धारित करने के लिए सिखाना महत्वपूर्ण है-विशेष रूप से भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल साक्षरता अक्सर डिजिटल पहुंच से पीछे है। घर पर टीमवर्क, सहानुभूति और संचार जैसे सामाजिक कौशल को विकसित करने से बच्चों को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में पनपने में मदद मिलती है। जलवायु परिवर्तन, आर्थिक अस्थिरता और नौकरी के बाजारों को स्थानांतरित करने के आकार की अप्रत्याशित दुनिया में, लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रमुख जीवन कौशल हैं। इन्हें केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं सीखा जा सकता है। माता-पिता को स्वतंत्र सोच, रचनात्मक समस्या-समाधान और असफलताओं से वापस उछालने की क्षमता को प्रोत्साहित करना चाहिए। जीवन हमेशा नियोजित नहीं होता है और बच्चों को यह समझने की आवश्यकता होती है कि विफलता एक मृत-अंत नहीं है, बल्कि मजबूत होने का निमंत्रण है। कई भारतीय परिवारों में, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के बीच, शैक्षणिक सफलता को अभी भी सुरक्षित भविष्य के प्राथमिक मार्ग के रूप में देखा जाता है। जबकि इस विश्वास में योग्यता है, इसे रचनात्मकता, जिज्ञासा या भावनात्मक कल्याण की कीमत पर नहीं आना चाहिए। दुनिया भर में, पेरेंटिंग मॉडल विकसित हो रहे हैं-स्कैंडिनेवियाई बच्चे के नेतृत्व वाले सीखने पर जोर देते हैं, जबकि अमेरिकी सिस्टम तेजी से मानसिक स्वास्थ्य और समावेशिता को एकीकृत करते हैं। भारतीय माता-पिता को भी एक संतुलित मार्ग अपनाना चाहिए जो आधुनिक अंतर्दृष्टि के साथ कालातीत मूल्यों को जोड़ती है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

देवकुंड में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण का भाजपा ने किया स्वागत

शिक्षा क्षेत्र में माने जा रहे नए युग की शुरूआत

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह प्रखंड के देवकुंड में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बिहार सरकार द्वारा 4 एकड़ भूमि भारत सरकार को स्थानांतरित करने के निर्णय का भाजपा उपहारा मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार विद्यार्थी ने स्वागत किया है। उन्होंने इस निर्णय को देवकुंड जैसे उग्रवाद प्रभावित, पिछड़े और उपेक्षित क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया है। राजीव कुमार विद्यार्थी ने इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा, तत्कालीन विधायक मनोज शर्मा, देवकुंड मठ के महंत कन्हैया नंद पुरी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलकर इस कार्य को साकार किया है। उन्होंने बताया कि महंत जी ने जहां जमीन उपलब्ध कराई, वहीं विधायक मनोज शर्मा ने उस पर मिट्टी भरवा कर समतल कराने का कार्य करवाया। उन्होंने इस नेक कार्य से जुड़े सभी लोगों को कोटि-कोटि वंदन किया और आशा जताई कि बहुत जल्द केंद्रीय विद्यालय देवकुंड में बनकर तैयार होगा और शिक्षा की रोशनी से यह इलाका भी चमक उठेगा।

बन्देया थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) बन्देया थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना कांड संख्या-45/25 के तहत बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम की धारा 30(अ) के उल्लंघन में नामजद अभियुक्त चपरा गांव निवासी कैलास दास के पुत्र सूरत दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सूरज कुमार ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध शराबबंदी कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उसकी तलाश जारी थी। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

गोह बाजार को जल्द किया जाएगा अतिक्रमण मुक्त, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह बाजार में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या से आम जनता को निजात दिलाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। अंचलाधिकारी (सीओ) अजय कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि बहुत जल्द बाजार क्षेत्र की मापी करकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सीओ ने बताया कि गोह बाजार में अतिक्रमण के कारण पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। दुकानदारों द्वारा सड़क के किनारे सामान रखे जाने और अवैध निर्माण से हर दिन जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे आम लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाओं को भी परेशानी होती है। प्रशासन ने बीते दो दिन पहले माइक से अलाउंसमेंट कर अतिक्रमणकारियों को सचेत कर दिया है कि वे स्वेच्छा से अपना अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि आगामी मंगलवार और बुधवार को बाजार क्षेत्र की विधिवत मापी की जाएगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि किस स्थान पर अतिक्रमण हुआ है। मापी के बाद अतिक्रमण करने वालों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं है, बल्कि बाजार को सुव्यवस्थित करना है ताकि आमजन को सुविधा मिले। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और व्यवसायियों से सहयोग की अपील की और कहा कि गोह को जाम और अराजकता से मुक्त कर एक आदर्श बाजार क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही गोह बाजार में सुचारु यातायात व्यवस्था बहाल होगी।

पुलिस ने विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)बन्देया थाना क्षेत्र के कांड संख्या-17/25 के तहत नामजद अभियुक्त जनाई बिगहा गांव निवासी कामेश्वर यादव के पुत्र अमरेंद्र यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सूरज कुमार ने जानकारी दी कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व से ही आपराधिक मामला दर्ज था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे उसके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बारुण प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय पौथु के शिक्षक पर जानलेवा हमला किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौथु के शिक्षक नागेंद्र कुमार के साथ असामाजिक तत्वों ने मारपीट की,जब शिक्षक सुबह अपने स्कूल आने के लिए अपने गांव से गया स्टेशन के लिए सुबह में ट्रेन पकड़ने के लिए चलें तो रास्ते में कुछ असामाजिक तत्वों ने घात लगाकर उन पर हमला किया जिससे वे घायल हो गए उनके पास जो भी सामान था उसको भी छिनने का प्रयास किया ।चाकू से किए गए हमले से वे घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायल अवस्था में उन्हें एक निजी अस्पताल में जाकर अपना इलाज के निमित्त डॉक्टर द्वारा उन्हें भर्ती कर लिया गया। समाचार प्रेषण तक उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई।

जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में नीलाम-पत्र वाद की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट -:प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभाकक्ष में नीलाम-पत्र वाद की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया,इस बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी पी०डी०आर० पोर्टल पर अपने से संबंधित वादों को अपलोड कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ,इसके अतिरिक्त जिस नीलाम पत्र वाद में ऋणि के द्वारा राशि जमा कर दिया गया है उन वादों में बैंक से कोर्ट फीस एवं तलवाना राशि जमा कराकर उस वाद को समाप्त करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी द्वारा धारा -53 से संबंधित चर्चा करते हुए बताया गया कि जिस नीलाम पत्र वाद में धारा-7 निर्गत हो चुका हो, उसमें धारा-53 के तहत प्री बॉडी वारंट न निर्गत करके सीधे बॉडी वारंट निर्गत करना सुनिश्चित करेंगें। जो भी मामले हैं, उनमें धारा 7 के तहत नोटिस जारी करते हुए, तामिला कराएं एवं जिन पक्षों को वारंट जारी है, उनमें संबंधितों को थाना के माध्यम से नीलाम पत्र वाद पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित कराएं। जिला पदाधिकारी द्वारा स्पष्ट रूप से सभी नीलाम पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वैसे मामले जिन में राशि अत्यधिक है उनमें तत्परता के साथ तामिला एवं तामिला के पश्चात चेतावनी देते हुए यदि राशि वसूल नहीं हो पा रही हो तो ,वारंट जारी कर उस पर अग्रेतर कार्यवाही करें जिससे कि नीलमवाद के अंतर्गत राशि की वसूली बढ़ाई जा सके। बैंकिंग संबंधी जिला स्तरीय सलाहकार समिति एवं समीक्षा समिति की बैठकों में बैंकिंग के मामलों में जो भी नीलम वाद दायर है उसमें तामिला के लिए बैंकिंग की अपनी-अपनी रिकवरी टीम को सहयोग करने का एजेंडा आगामी बैठक में रखने का भी निर्देश नीलाम शाखा के प्रभारी पदाधिकारी को दिया गया। इस बैठक में अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, अपर समाहर्ता आपदा श्री उपेंद्र पंडित, प्रभारी राजस्व शाखा श्री सच्चिदानंद सुमन, प्रभारी पदाधिकारी नीलम शाखा श्री रितेश कुमार यादव सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रिंस कुमार ने 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में दो रजत पदक जीतकर बिहार को दिलाई गौरवपूर्ण उपलब्धि

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नबीनगर प्रखंड के चरण महादेव माली निवासी प्रिंस कुमार ने 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर दौड़ एवं 4100 मीटर रिले रेस में रजत पदक (सिल्वर मेडल) प्राप्त किया है। बताते चलें कि प्रिंस कुमार ने 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में रजत पदक जीत कर जिला पदाधिकारी से अपने पूरे टीम के साथ जिला पदाधिकारी कार्यालय में जाकर मुलाकात की। प्रिंस कुमार इस वर्ष बिहार राज्य के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में दो-दो पदक जीतकर राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से राज्य के युवाओं में खेल के प्रति उत्साह एवं प्रेरणा का वातावरण बना है। बिहार सरकार एवं खेल निदेशालय, प्रिंस कुमार की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करता है। साथ ही, राज्य सरकार भविष्य में भी खेल प्रतिभाओं को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भदवा पंचायत अंतर्गत मंजखड़ गांव के केशहर नदी पर पुल का निर्माण जल्द पूरा किया जाएगा लोजपा नेता - प्रमोद कुमार सिंह

पुल निर्माण पर लगभग दस लाख रुपए खर्च होंगे,ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- रफीगंज प्रखंड के भदवा पंचायत अंतर्गत मंजखड़ गांव के केशहर नदी पर पुल नदी पर पुल बनने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौर रही है। बताते चलें कि इस पुल का मांग लगभग 30 वर्षों से ग्रामीण जनता के द्वारा मांग किया जा रहा था लेकिन 30 वर्ष के अंतराल में ना कोई स्थानीय सांसद, ना स्थानीय विधायक ना ही विधान पार्षद या मुखिया आदि कोई भी जनप्रतिनिधित्व लोगों ने आज तक इस पुल का निर्माण करने में ना कोई आश्वासन दिया ना कभी जनता की मांग भी नहीं देखा गया। बताते चलें कि मंजखड़ गांव के केशहर नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों को आने-जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है स्थानीय ग्रामीणों ने थक हार कर इस बात की सूचना लोजपा नेता सह सुप्रसिद्ध समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह को स्थानीय ग्रामीणों ने इनको सूचना दी। सूचना देने के उपरांत स्थानीय ग्रामीणों ने लोजपा के प्रदेश महासचिव सह रफीगंज विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मैं तो ना कोई विधायक, ना ही मैं सांसद हूं, फिर भी आप लोगों की समस्या का समाधान हर तरफ से करने का प्रयास करूंगा। स्थानीय ग्रामीणों ने जब लोजपा नेता प्रमोद कुमार सिंह से मिला तो उनके द्वारा दिए गए आश्वासन पर खुशी जाहिर करते हुए उनके प्रति आभार जताया इसी कड़ी में लोजपा प्रदेश महासचिव सह जिले के सुप्रसिद्ध समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ने इस पुल का निर्माण अपने निजी कोष से बनवा रहे है, इस पुल का निर्माण पूरा होने पर लगभग दस लाख रुपए खर्च होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार रफीगंज विधानसभा क्षेत्र के भदवा पंचायत अंतर्गत मंजखड़ गांव के केशहर नदी में पुल नहीं रहने के कारण मंजखड़ गांव में आने जाने के लिए कई वर्षो से पुल की समस्या से जूझ रहे थे, यह मार्ग मुख मार्ग है जो में रोड से गांव तक यह नदी का पुल जोड़ता है यह पुल बनने का कार्य प्रारंभ हो गया है, और इस पुल का निर्माण लगभग 1 महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है इस पुल के प्रति इस गांव का स्थानीय ग्रामीण जनता इस बार रफीगंज विधानसभा से समाजसेवी सह लोजपा प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह को इस कार्य के लिए उनको अपने क्षेत्र से विधायक बनाकर विधानसभा में भेजने का काम करेगी और आगे ग्रामीणों ने कहा कि जब यह समस्या भी प्रमोद कुमार सिंह जब कोई कुर्सी पर नहीं है तो इतना कार्य कर रहे हैं जब ये कुर्सी पर बैठ जाएंगे तो हम लोगों का हर विकास का कार्य करने में सहयोग प्रदान करेंगे और आगे स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि लुस्पा नेता प्रमोद कुमार सिंह के द्वारा रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में लगभग कई ऐसे कार्य किए गए हैं जो जनता इस बार 2025 के बिहार विधानसभा में अपना आशीर्वाद देकर विजय फतह करेगी।

अनुमंडलीय विधिक संघ दाउदनगर औरंगाबाद में लायर्स होल के उदघाटन समारोह आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अनुमंडलीय विधिक संघ दाउदनगर में लायर्स होल के उदघाटन समारोह आयोजित किया गया अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि उदघाटन समारोह का अध्यक्षता एवं स्वागत भाषण अनुमंडलीय विधिक संघ के अध्यक्ष अधिवक्ता निरंजन कुमार ने किया,इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति हरीश कुमार हाईकोर्ट पटना सह निरीक्षी जज औरंगाबाद तथा न्यायमूर्ति राजीव राय पटना हाईकोर्ट थे, विशिष्ट अतिथि प्रधान जिला जज औरंगाबाद राजकुमार वन और प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सत्य भूषण आर्य थे,मंच का संचालन अधिवक्ता प्रमेन्द्र मिश्रा और धन्यवाद ज्ञापन सचिव अधिवक्ता धर्मेंद्र सिंह ने किया, सर्वप्रथम फीता काट कर लायर्स होल का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया अतिथियों द्वारा लायर्स होल का निरिक्षण किया गया, उसके बाद न्यायमूर्ति हरीश कुमार, न्यायमूर्ति राजीव राय तथा प्रधान जिला जज राजकुमार वन ने वृक्षारोपण किया उसके बाद अधिवक्ताओं को सम्बोधित कर लायर्स होल के अधिवक्ताओ को समर्पित कर शुभकामनाएं दी हैं, दो तल्ले लायर्स होल में निचली होल बैठक होल और उपर लाइब्रेरी बनेगा, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और 12 टेबल 48 कुर्सी की उपलब्धता है, दोनों तल्ले पर शौचालय है, जिसकी लाभ 250 अधिवक्ताओं को होगा, इस लायर्स होल का शिलान्यास 22 फरवरी 2024 को न्यायमूर्ति राजीव राय हाईकोर्ट पटना ने किया था,इस अवसर पर उपस्थित थे व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला जज वन इशरार अहमद, जिला जज दो विश्व विभूति गुप्ता , मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लाल बिहारी पासवान, अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर के न्यायधीश विकास कुमार,श्वेताभ शांडिल्य,आशिष कुमार,चंदन कुमार,लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल, सरकारी अधिवक्ता प्रभात कुमार, अनुमंडलीय विधिक संघ पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, जिला विधिक संघ औरंगाबाद अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय कुमार सिंह सचिव सिद्धेश्वर विधार्थी, पूर्व लोक अभियोजक प्रमोद कुमार सिंह,रमेश प्रसाद, सतीश कुमार स्नेही, रामनरेश प्रसाद, शक्ति कुमार, स्नेह लता,अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर के सत्येन्द्र कुमार सिंह, मनोज मिश्रा, कृष्णा सिंह, रामाशीष सिंह,हरिनाथ सिंह, महेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संस्थापक डॉ धीरेंद्र वर्मा के जयंती पर साहित्य संवाद

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था समकालीन जवाबदेही परिवार के द्वारा भारत के महान साहित्यकार साहित्यिक इतिहास के लेखक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रथम अध्यक्ष डॉ धीरेंद्र वर्मा के 128 वीं जयंती के अवसर पर साहित्य संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र के आह्वान पर संवाद करते हुए प्रबंध संपादक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि हिंदी तथा ब्रजभाषा के कवि एवं इतिहासकार के रूप में डा धीरेंद्र वर्मा ने हिंदी साहित्य के शोध कार्य में उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।हिंदी समीक्षा के क्षेत्र में जो काम रामचंद्र शुक्ल ने किया था। वही काम शोध कार्य के क्षेत्र में डा धीरेंद्र वर्मा ने किया था हिंदी भाषा का प्रथम वैज्ञानिक इतिहास लिखकर साहित्य के क्षेत्र में क्रांति ला दी। वहीं,हिंदी विश्व कोष के प्रधान संपादक रहते हिंदी साहित्य के लिए बहुमूल्य कार्यों को मूर्त रूप प्रदान किया था।उनकी बहुमूल्य कृति हिंदी साहित्य ज्ञान कोश में हिंदी साहित्य,दर्शन,इतिहास आलोचना सभी विषय समाहित हुए हैं।कोलकाता के सन्मार्ग द्वारा प्रकाशित इस कृति ने हिंदी साहित्य को उत्कर्ष पर पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हुआ ।धीरेंद्र वर्मा जी की बहुमूल्य कृतियां हिंदी साहित्य का इतिहास,हिंदी राष्ट्र,हिंदी साहित्य कोश, सूरसागर सार संग्रह आधुनिक हिंदी साहित्य की आधारभूत कृतियां हैं।जिनसे हिंदी भाषा को राष्ट्र भाषा का पूर्ण दर्जा दिलाने में आधारभूत इकाई का द्योतक है। औरंगाबाद जिले के लिए गौरव की बात है कि जिस हिंदी विभाग की स्थापना डॉ धीरेंद्र वर्मा ने की थी।उसी,विभाग में औरंगाबाद जिले के डॉ कुमार बीरेंद्र प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर हुआ मंथन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड कार्यालय में 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की एक विस्तृत एवं महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने की। इसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन, आवास, पंचायत एवं नगर विकास, बिजली, समाज कल्याण समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त समिति के सभी सदस्य,भी भाग लिये। बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना, जमीनी हकीकत जानना तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान निकालना रहा। प्रमुख योजनाओं की समीक्षा और प्रगति मनरेगा झ 100 दिनों के रोजगार की उपलब्धता, लंबित योजनाओं की स्थिति और मजदूरी भुगतान की पारदर्शिता पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना किश्त भुगतान में विलंब और टक्र रिपोर्टिंग में लापरवाही जैसे मुद्दों को रेखांकित कर सुधार हेतु निर्देश दिए गए। हर घर नल-जल योजना जलापूर्ति में बाधा और अधूरी पाइपलाइन की शिकायतों पर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल-जीवन-हरियाली अभियान वर्षा से पूर्व जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तेजी से पूरा करने पर जोर दिया गया। शिक्षा विभाग झ मध्याह्न भोजन छात्रवृत्ति, भवन मरम्मत और शिक्षक उपस्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। आयुष्मान भारत योजना झ कार्ड वितरण, दवा उपलब्धता और मोबाइल हेल्थ यूनिट संचालन की समीक्षा कर सुधारात्मक कार्रवाई पर बल दिया गया। कृषि विभाग झ फसल बीमा, कृषि यंत्र अनुदान और किसान पाठशाला जैसे कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए तकनीकी सशक्तिकरण पर जोर दिया सामाजिक सुरक्षा पेंशन झ वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन वितरण में आ रही तकनीकी अड़चनों के समाधान पर चर्चा हुई। विद्युत व्यवस्था झ ट्रांसफार्मर की खराबी, अनियमित आपूर्ति और लोडशेडिंग से जुड़ी समस्याओं को शीघ्र हल करने के निर्देश दिए गए। बैठक में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय सभी विभाग 15 दिनों के भीतर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। समिति सदस्य पंचायत स्तर पर जन-संपर्क और निगरानी अभियान चलाएंगे। प्राप्त शिकायतों की त्वरित जांच और समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मासिक प्रगति समीक्षा अनिवार्य होगी; लापरवाह या अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।समिति अध्यक्ष का वक्तव्य प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा, 20 सूत्री कार्यक्रम केवल सरकारी आंकड़ों तक सीमित नहीं है, यह जनकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। योजनाओं को पारदर्शिता और निष्ठा से लागू कर हम जनता का विश्वास अर्जित कर सकते हैं। समापन और उपाध्यक्ष का संबोधन समापन के अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा, योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन विभागीय समन्वय, पारदर्शिता और फील्ड विज़िट के बिना संभव नहीं है। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा, प्रशासन की पहुंच जनता तक तभी सुनिश्चित हो सकती है जब हम समयबद्ध क्रियान्वयन, जनसंवाद और जमीनी सच्चाई को प्राथमिकता दें। अधिकारी समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए प्रतिबद्धता दिखाएं। उपस्थित गण बैठक में 20 सूत्री समिति के सदस्यगण झ शशि कांत कुमार, भरत सिंह, रितेश कुमार सिंह, सैयद मुजफ्फर कादरी, अमित गुप्ता, संजय गुप्ता, विकास कुमार मिश्रा, रॉकी राज, नंदिता सिंह, महेंद्र प्रजापति, नीलम देवी, नागेंद्र चंद्रवंशी समेत प्रखंड के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। गैरहाज़िर पदाधिकारियों पर कार्रवाई का प्रस्ताव बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि लघु सिंचाई विभाग, प्रखंड के तीनों थाना (फेसर, मुफस्सिल, जम्होर), गोदाम मैनेजर और एमो विभाग के संबंधित पदाधिकारी बिना पूर्व सूचना के बैठक से अनुपस्थित रहे, जो कि समिति की नियमावली का उल्लंघन है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इन सभी पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाए।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर स्ट्रीट लाइट के खंभे से जमालपुर सदर बाजार में कभी भी हो सकती है दुर्घटना

मुंगेर। जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र के सदर बाजार स्थित मुख्य सड़कों पर दो दशक पूर्व ही रोशनी की व्यवस्था हेतु स्ट्रीट लाइट के खंभे नगर परिषद के द्वारा लगाए गए थे। कुछ वर्षों बाद एलइडी लाइट खराब हो गई और खंभे भी जर्जर हो गए। लेकिन इन जर्जर खंभों को नगर परिषद प्रशासन के द्वारा नहीं हटाया गया। यह जर्जर खंभे जुबली वेल के निकट, अवंतिका मोड़, बराट चौक, सदर फाड़ी और जनता मोड के आसपास दर्जनों की संख्या में है। वर्तमान में उसी खंभों पर पिछले वर्ष तिरंगा झालर लपेट दिया गया। अब यह खंभे जमीन छोड़कर बिजली की तारों के सहारे हवा में लटकी हुई है तथा चौक चौराहों पर दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है। ऐसे जर्जर दर्जनों खंभे सदर बाजार के भीड़ भाड़ वाले सड़कों पर जब भी तेज हवा का झोंका चलता है ये जर्जर खंबे बिजली की तारों के सहारे हिलने डुलने लगते हैं। तथा राहगीर भयभीत होकर इधर-उधर भागते नजर आते हैं। वहीं वार्ड पार्षद साईं शंकर ने बताया कि नगर परिषद जमालपुर के कार्यपालक पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को इस विषय में पूर्व में भी कई बार सूचना दी जा चुकी है। लेकिन नगर परिषद प्रशासन के उदासीन रवैया के कारण अब मुझे जिला प्रशासन को इस विषय में अति शीघ्र संज्ञान लेने हेतु जानकारी देनी पड़ रही है। वार्ड पार्षद ने जिला प्रशासन से इस मामले में संज्ञान लेने की अपील करते हुए कहा है कि जमालपुर शहर में बड़ी घटना को घटित होने से पहले ही प्रशासन द्वारा ठोस कदम उठाया जाए और नगर परिषद प्रशासन की शिथिलता भरे रवैया की जांच कराई जाए।

NMCH में 100 नए बेड वाले मेडिसिन वार्ड का उद्घाटन, स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई ताकत

पटना: नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) के मेडिसिन विभाग में 750 लाख की लागत से नवनिर्मित 100 बेड वाले वार्ड का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नंदकिशोर यादव ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं दिन प्रतिदिन बेहतर हो रही है। अस्पतालों में दवा आपूर्ति से लेकर चिकित्सकों की अब कोई कमी नहीं है। बिहार की जनता को राज्य के भीतर उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने अपने संबोधन में सबसे पहले सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नमन किया और हाल ही में शहीद हुए बिहार के चार वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में सैनिकों का मान व सम्मान बढ़ा है। देश को वीर सैनिकों पर गर्व है। पांडेय ने कहा कि 100 बेड वाला मेडिसिन वार्ड ऊपरी मंजिल पर बनाया गया है, जिससे बारिश के मौसम में जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी। वर्तमान में जनरल मेडिसिन विभाग में बेडों की संख्या 128 है। अब अतिरिक्त 100 के साथ कुल मिलाकर बेडों की संख्या 228 हो जाएगी। भविष्य में यहां 400 और बेड जोड़े जाने की योजना है। वर्तमान में एनएमसीएच में कुल 1189 बेड हो चुके हैं, जो पहले मात्र 650 थे। अस्पताल की सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। हर बेड पर अब ऑक्सीजन पाइपलाइन की व्यवस्था है, दवा की उपलब्धता है। वहीं भोजन एवं साफ-सफाई की जिम्मेदारी जीविका दीदियों को सौंपकर सेवा की गुणवत्ता में बड़ा सुधार लाया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार लगातार दवा आपूर्ति के मानकों पर आठ महीनों से नंबर 1 है। एनएमसीएच में भी अब 496 प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध हैं। 2005 से पहले स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार की स्थिति काफी दयनीय थी। पिछले 20 वर्षों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अप्रत्याशित कार्य किए गए हैं। जिससे अब आमजन को सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। पांडेय ने कहा कि 28.34 करोड़ रुपये की लागत से टीवीडीसी (यक्ष्मा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र) का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जो 15 अगस्त 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। उसके बाद अगस्त माह में इसका विधिवत उद्घाटन भी कर दिया जाएगा। इसके अलावा 204.44 करोड़ रुपये की लागत से कदमकुआं में टीबी चिकित्सा महाविद्यालय का भी निर्माण कार्य प्रारंभ हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में एनएमसीएच में सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं, जैसे 350 सीट वाला ऑडिटोरियम, नशा मुक्ति केंद्र, बीएससी नर्सिंग कॉलेज, आरटीपीसीआर लैब, कॉक्लियर इंप्लांट सुविधा, माड्यूलर ऑपरेशन थियेटर और नए छात्रावासों का निर्माण। राज्य के अधिकांश जिलों के पंचायतों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर द्वारा स्वास्थ्य सेवा को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। 2019 से मुख्यमंत्री 07 निश्चय योजना के अंतर्गत बीएससी नर्सिंग कॉलेज एवं छात्रावास की स्थापना की गई । पांडेय ने नंद किशोर यादव जी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से पटना साहिब क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर पटना की मेयर सीता साहू, राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा, एनएमसीएच की प्राचार्य प्रो. डॉ. उषा कुमारी, अधीक्षक डॉ. रश्मि प्रसाद, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, राजनीतिक कार्यकर्ता, फैकल्टी सदस्य, छात्र-छात्राएं, नर्सिंग स्टाफ और स्थानीय लोग समेत अन्य उपस्थित रहें।

लखीसराय में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने में लापरवाही पर एजेंसियों पर एक्शन, 28 लाख रुपये का लगा जुमार्ना

जिला प्रशासन ने सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने और मरम्मत में लापरवाही बरतने पर दो एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की है

दो एजेंसियों से 28,75,501 रुपये वसूला गया जुमार्ना, एक से काम भी वापस लिया गया

रंजीत विद्यार्थी

लखीसराय(मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिला में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने एवं मरम्मती करने में लापरवाही बरतने को लेकर जिला प्रशासन ने दो एजेंसियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। इसको लेकर दो एजेंसियों से 28 लाख 75 हजार 501 रुपये जुमार्ना वसूल किया गया है। श्री सावित्री प्राइवेट कंपनी लिमिटेड एजेंसी से दो लाख 81 हजार 970 रुपये एवं लोर्डस मार्क्स प्राइवेट कंपनी लिमिटेड से 25 लाख 93 हजार 531 रुपये जुमार्ना वसूल किया गया है। इसके अलावा दो प्रखंड में सोलर स्ट्रीट नहीं लगाने को लेकर लोर्डस मार्क प्राइवेट लिमिटेड एजेंसी से एक प्रखंड का कार्य भी वापस लेकर दूसरी एजेंसी को दे दिया गया है। श्री सावित्री प्राइवेट कंपनी लिमिटेड के विरूद्ध कार्रवाई करने का कारण श्री सावित्री प्राइवेट कंपनी लिमिटेड को प्रथम चरण में 1,560 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य दिया गया था। उक्त एजेंसी द्वारा 1,560 सोलर स्ट्रीट लाइट लगा भी दी गई, लेकिन उसमें से 22 सोलर स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई हैं। एजेंसी द्वारा खराब सोलर स्ट्रीट

लाइट की मरम्मती कराने के प्रति उदासीनता बरती गई है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने उक्त एजेंसी से दो लाख 81 हजार 970 रुपये जुमार्ना वसूल किया है। लोर्डस मार्क प्राइवेट लिमिटेड के विरूद्ध कार्रवाई करने का कारण लोर्डस मार्क प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम चरण में 1,480 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें बड़हिया में 360, लखीसराय में 400, हलसी में 400 एवं रामगढ़ चौक प्रखंड में 320 सोलर स्ट्रीट लाइट लगानी थी। इसको लेकर उक्त एजेंसी को एक करोड़ चार लाख 87 हजार 769 रुपये का भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन लखीसराय प्रखंड में सोलर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाई गई। इसको लेकर जिला प्रशासन ने उक्त एजेंसी से लखीसराय प्रखंड में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य वापस लेकर नई एजेंसी सग्स लायड को दे दिया है। सोलर स्ट्रीट लाइट की मरम्मती कराने में लापरवाही बरतने को लेकर उक्त एजेंसी से 6,900 रुपये जुमार्ना वसूल किया गया है। प्रथम चरण में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने में विलंब करने को लेकर एक लाख 48 हजार 438 रुपये एवं द्वितीय चरण में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने में विलंब करने को लेकर 24 लाख 38 हजार 193 रुपये 45 पैसे जुमार्ना वसूल किया गया है। इस संबंध में प्रभारी जिला पंचायत राज पदाधिकारी नीरज कुमार ने बताया कि सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने अथवा मरम्मत में विलंब करने वाली एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर अब तक दो एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है।

खगड़िया में अपराधियों का नंगा नाच : ताबातोड़ फायरिंग एवं भूमि विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या

गोलियों की तड़तड़ाहट दहला सिराजपुर का दियारा का इलाका

ग्रामीणों ने सड़क जाम कर अपराधियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग की.

रंजीत कुमार विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिला के परबत्ता थाना क्षेत्र स्थित सिराजपुर दियारा में शुक्रवार की देर रात्रि अपराधियों ने एक किसान सह पशुपालक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान जानकी चक गांव के 55 वर्षीय बाबूलाल यादव के रूप में हुई है। बाबूलाल यादव दियारा में बासा बनाकर रहते थे। वे वहां रहकर कृषि कार्य और पशुपालन करते थे। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। गोगरी के प्रभारी एसडीपीओ टीके मिश्रा ने बताया कि घटना का कारण पूर्व का भूमि विवाद सामने आया है। इधर शनिवार की सुबह आठ बजे घटना से आक्रोशित स्वजनों और ग्रामीणों ने सिराजपुर टावर

चौक के पास महेशखूंट-अगुवानी पथ को जाम कर दिया। वे अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मृतक के स्वजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। सूचना पर गोगरी के प्रभारी एसडीपीओ टीके मिश्रा, परबत्ता थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, बीडीओ संतोष कुमार पंडित, सीओ मोना गुप्ता समेत कई थाना की पुलिस जाम स्थल पर पहुंची। परबत्ता नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि रंजीत कुमार साह भी पहुंचे। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के काफी समझाने-बुझाने के उपरांत ढाई बजे के आसपास साढ़े छह घंटे बाद जाम टूटा। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में खगड़िया सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के पुत्र प्रवीण के अनुसार शुक्रवार की रात्रि आधे दर्जन की संख्या में सशस्त्र अपराधी बासा पर आ धमके। अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। प्रवीण के अनुसार पहली गोली की आवाज सुनते ही वह बगल के गड्ढे में छिप गया। लेकिन पिताजी भाग नहीं पाए और अपराधियों ने उनपर गोलियों की वर्षा कर दी। पिताजी को छह-सात गोली लगी है। उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। प्रवीण ने बताया कि बासा के आसपास के लोग भोज खाने के लिए गांव गए हुए थे। इधर खगड़िया एसपी राकेश कुमार ने बताया कि अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी को लेकर एसआईटी का गठन किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है। गोगरी के प्रभारी एसडीपीओ ने बताया कि घटना में एक चर्चित अपराधी गिरोह का नाम सामने आ रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी होगी।

सोनपुर आयोजना क्षेत्र के विस्तार को मिली स्वीकृति

भाजपा नेता राकेश सिंह को लोगो ने अंग वस्त्र फुल माला और मिठाई खिलाकर बधाई दिया

सोनपुर ,। राज्य मंत्री परिषद द्वारा सोनपुर आयोजना क्षेत्र के विस्तार की स्वीकृति एवं नगर पंचायत सोनपुर को नगर परिषद के रूप में उत्क्रमित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके लिए सोनपुर वासी द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा सांसद राजीव प्रताप रूडी बिहार सरकार मंत्री नितिन नवीन बिहार सरकार मंत्री जीवेश मिश्रा को और कार्यपालक रंजीत कुमार नगर पंचायत अध्यक्ष अजय साह को बधाई दिया इस अवसर पर स्थानीय लोगो द्वारा भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह को सोनपुर मे अंग वस्त्र फुल माला और मिठाई खिलाकर बधाई दिया इस अवसर बीरेंद्र बाबा बिरजू पासवान मोनू सिंह साहिल यादव शैलेश कुमार बिट्टू यादव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अब बिहार में कैंसर का इलाज होगा और सुलभ, नई सोसाइटी से मरीजों को मिलेंगी समर्पित सेवाएं

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में कैंसर केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के गठन की मंजूरी मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में बिहार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक एवं दूरगामी सुधार की दिशा में कार्य कर रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जतायी खुशी

बिहार सरकार के इस अभूतपूर्व फैसले पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि यह नई पहल राज्य में कैंसर से संबंधित समर्पित सेवाओं को एकीकृत, संगठित और सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। राज्य सरकार का यह फैसला कैंसर के लगातार बढ़ते मामलों, स्क्रीनिंग के माध्यम से चिह्नित हो रहे मरीजों की संख्या में वृद्धि तथा वर्तमान चिकित्सा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लिया गया है। इससे कैंसर मरीजों को समयबद्ध उपचार, जागरूकता अभियान और अनुसंधान के क्षेत्र में ठोस उपलब्धि सुनिश्चित की जा सकेगी।

समुचित इलाज कराना है मुख्य उद्देश्य

गौरतलब है कि बिहार कैंसर केयर एंड रिसर्च सोसाइटी एक पृथक एवं शीर्ष संस्थान के रूप में कार्य करेगी, जिसका उद्देश्य मरीजों को त्वरित और समुचित इलाज उपलब्ध कराना, कैंसर की रोकथाम के लिए प्रभावी जन जागरूकता कार्यक्रम चलाना, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था को सशक्त बनाना होगा। इस संस्था के गठन से कैंसर मरीजों को समर्पित एवं केंद्रित सेवाएं मिलेंगी और राज्य में कैंसर उपचार की गुणवत्ता, पहुंच और प्रभावशीलता में अभूतपूर्व सुधार होगा।

30 साल बाद मिली प्रेमिका तो फिर बढ़ीं नजदीकियां,डॉक्टर की पत्नी को लेकर भागा 60 साल का वकील, बोला- मेरा बचपन का प्यार

पूर्णिया: सच्चा प्यार कभी खत्म नहीं होता, यह समय के साथ और भी गहरा होता जाता है। इस वाक्य को चरितार्थ किया है बिहार के एक वकील ने, जो 60 साल की उम्र में अपने बचपन के प्यार महिला डॉक्टर को लेकर फरार हो गए। बताया जाता है कि दोनों स्कूल टाइम से दोस्त थे। लेकिन परिजनों ने महिला की शादी किसी डॉक्टर से करवा दी। दरअसल, पूरा मामला पूर्णिया जिले के के. हाट थाना क्षेत्र के प्रभात कॉलोनी स्थित डॉनर चौक इलाके का है। बताया जा रहा है कि 60 साल का वकील 11 मई की दोपहर 50 साल की महिला डॉक्टर को लेकर फरार हो गया। जब महिला डॉक्टर रात तक घर नहीं पहुंची तो उनके पति ने काफी खोजबीन की, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद पति ने पुलिस थाने में शिकायत की। काफी

खोजबीन के बाद पुलिस ने 5वें दिन यानी शुक्रवार को एडवोकेट के साथ महिला को सहरसा से बरामद किया।

प्रेमिका के इंतजार में नहीं की शादी- वकील

एडवोकेट की पहचान संजीव कुमार के रूप में हुई है। वह सहरसा के प्रोफेसर कॉलोनीके निवासी है। पकड़े जाने पर वकील ने कहा कि उसका बचपन का प्यार है। लेकिन दोनों के घरवाले शादी के लिए नहीं माने थे। वहीं प्रेमिका के इंतजार में उन्होंने अभी तक शादी भी नहीं की थी। एडवोकेट ने बताया कि अब 2024 में 30 साल बाद दोनों की दुबारा मुलाकात हुई, जिसके बाद दोनों फिर एक दूसरे के करीब आ गए।

पुलिस ने एडवोकेट को गिरफ्तार कर भेजा जेल

एडवोकेट संजीव का कहना है कि मई के पहले हफ्ते दोनों ने आगे की जिंदगी एक साथ बिताने का फैसला किया और फिर 11 मई को दोनों सहरसा आ गए। वहीं महिला की बरामदगी के बाद उसके पति ने अपनी पत्नी को साथ रखने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने महिला डॉक्टर को एडवोकेट के घर भेज दिया और एडवोकेट को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बिहार में आदिवासी लड़की से हैवानियत, खेत में घास काटने गई थी नाबालिग,अकेला पाकर 4 दरिंदों ने किया गैंगरेप

कटिहार: बिहार के कटिहार जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र का है। नाबालिग लड़की सातवीं की छात्रा है। बताया जा रहा है कि नाबालिग लड़की मवेशियों के लिए खेत में घास काटने गई थी, तभी चार हैवान वहां पर पहुंचे और नाबालिग लड़की को अकेला पाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। फिर वहां से फरार हो गए। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। चारों आरोपी गिरफ्तार इधर, इस मामले में पीड़िता के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पुछताछ कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

इस्पात मंत्रालय ने अपने कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए नई वेबसाइट शुरू की

एजेंसी
नई दिल्ली,। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इस्पात मंत्रालय की नई वेबसाइट लॉन्च की। नई वेबसाइट को मंत्रालय के संचालन में पारदर्शिता, पहुंच और दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नई वेबसाइट में एक आधुनिक और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल इंटरफ़ेस है, जिससे वेबसाइट का इस्तेमाल करना और वहां से प्रासंगिक जानकारी हासिल करना सहज हो जाता है।

राजधानी नई दिल्ली स्थित उद्योग भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में नई वेबसाइट का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक और इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्रालय ने कहा कि नई वेबसाइट प्रशासन को बेहतर बनाने और भारतीय इस्पात

क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वेबसाइट से भारतीय इस्पात उद्योग के बारे में व्यापक जानकारी मिलेगी, जिसमें उत्पादन आंकड़े, नीतिगत अपडेट और विभिन्न योजनाओं और पहलों के विवरण शामिल हैं। इसमें इंटरैक्टिव टूल, सभी डिवाइस पर सहज पहुंच के लिए उत्तरदायी डिज़ाइन और नियमित अपडेट भी शामिल हैं।

नई वेबसाइट में संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और मंत्रालय की ऑनलाइन उपस्थिति की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम साइबर सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया है।

यह वेबसाइट भारतीय सरकार की वेबसाइटों के लिए नवीनतम दिशानिर्देशों (जीआईजीडब्ल्यू) के अनुरूप भी है, जिससे विकलांगों सहित सभी नागरिकों के लिए पहुंच सुनिश्चित होती है। यह वेबसाइट विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

येस बैंक पर 29.6 लाख का जुर्माना, ग्राहकों की शिकायतों की जानकारी छुपाने का आरोप

एजेंसी
मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों की शिकायतों से जुड़ी जानकारी को अपने वार्षिक वित्तीय विवरणों में सही ढंग से न दर्शाने के आरोप में येस बैंक लिमिटेड पर 29 लाख 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि यह जुर्माना वित्तीय विवरण प्रस्तुति और प्रकटीकरण से संबंधित निर्देशों के उल्लंघन के चलते लगाया गया है। बैंक के वित्त वर्ष 2023-24 की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि उसने ग्राहकों की शिकायतों के आंकड़ों को अधूरी या गलत तरह से पेश किया। केंद्रीय बैंक ने निरीक्षण के बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें पूछा गया था कि नियमों के उल्लंघन पर उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। बैंक की ओर से जवाब और सुनवाई के दौरान दी गई दलीलों के बावजूद आरबीआई ने नियमों के उल्लंघन को सही पाया और जुर्माना लगाने का निर्णय लिया।

भारतीय कारोबारियों ने तुर्की और अजरबैजान के साथ किया व्यापारिक बहिष्कार

नई दिल्ली।खुदरा कारोबारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से आए 125 से अधिक प्रमुख कारोबारी लीडरों ने तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी तरह के व्यापारिक और व्यावसायिक संबंधों को पूरी तरह से खत्म करने का निर्णय लिया। कैट के दिल्ली में आज आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यापारियों ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि अब भारत का व्यापारी समुदाय तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी तरह के व्यापारिक और व्यावसायिक संबंधों को पूरी तरह से खत्म करेगा। इसमें यात्रा, पर्यटन और फिल्मों की शूटिंग भी शामिल है। कारोबारी लीडरों ने भारतीय फिल्म उद्योग से अपील की है कि वे इन देशों में शूटिंग न करें और यदि कोई फिल्म वहां शूट होती है तो उसका बहिष्कार किया जाएगा। इसी तरह किसी भी कॉरपोरेट हाउस को भी इन देशों में अपने विज्ञापन या प्रचार की शूटिंग करने से रोका जाएगा। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि हाल ही में तुर्की और अजरबैजान ने पाकिस्तान के पक्ष में खुलेआम समर्थन जताया। वहीं, इस समय भारत एक संवेदनशील सुरक्षा संकट से गुजर रहा है। व्यापारियों का मानना है कि यह भारत की दोस्ती और मदद का अपमान है, खासकर तब जब भारत ने इन देशों को संकट के समय मानवीय और कूटनीतिक सहयोग दिया था।

बीएलएस इंटरनेशनल का मुनाफा 69.9 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 69.9 प्रतिशत बढ़कर 145.2 करोड़ रुपये जबकि राजस्व 54.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 692.8 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास पूर्व लाभ) इस तिमाही में 92.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 174.1 करोड़ रुपये पर रहा और ईबीआईटीडीए मार्जिन 496 आधार अंक बढ़कर 25.1 प्रतिशत पर पहुंच गया। अपवादों को छोड़कर कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 78.3 प्रतिशत बढ़कर 166.7 करोड़ रुपये रहा। बीएलएस का वीजा एवं कांसुलर सेवा क्षेत्र से राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 440.8 करोड़ रुपये जबकि ईबीआईटीडीए 150.9 करोड़ रुपये रहा, जो दोगुना से अधिक है। इस क्षेत्र में ईबीआईटीडीए मार्जिन 34.2 प्रतिशत तक पहुंचा। तिमाही में 9.83 लाख वीजा आवेदन प्रोसेस किए गए, जो पिछले वर्ष से 37.7 प्रतिशत अधिक है। प्रति आवेदन औसत राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 3,149 रुपये रहा। डिजिटल सेवा खंड से राजस्व में 226.1 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई और यह 252 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही हमारे लिए ऐतिहासिक रहा। रिकॉर्ड प्रदर्शन ने हमारे कारोबार मॉडल की मजबूती, रणनीतिक अधिग्रहण और डिजिटल विस्तार की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.11 प्रतिशत फिसलकर 61.55 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 64.45 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

सरकार ने खरीदा पिछले साल से अधिक गेहूं

नई दिल्ली। सरकार की गेहूं खरीद पिछले साल के स्तर को पार कर गई है। चालू विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक 2.86 करोड़ टन गेहूं की खरीदारी की गई है। यह खरीद 2022-23 विपणन वर्ष के बाद से सबसे अधिक है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियां केंद्रीय भंडार के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदती हैं। इस वर्ष 11.53 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान है। गेहूं खरीद करने वाले सभी पांच प्रमुख राज्यों में पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में अधिक खरीद की है। 16 मई तक पंजाब ने 1.15 करोड़ टन, मध्य प्रदेश ने 74 लाख टन, हरियाणा ने 70 लाख टन और राजस्थान ने 16 लाख टन खरीद की है। 62,346 करोड़ का न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान किया गया है, जिससे 22.7 लाख किसानों को लाभ मिला है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.5 अरब डॉलर बढ़कर 690.61 अरब डॉलर पर

एजेंसी
मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ मई को समाप्त हफ्ते में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.06 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर रह गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी आंकड़ों के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार बढ़ने से देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार नौ मई को समाप्त हफ्ते में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.62 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.06 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक नौ मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 19.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 581.37 अरब डॉलर हो गई। आरबीआई के मुताबिक स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.52 अरब डॉलर बढ़कर 86.34 अरब डॉलर

पर पहुंच गया है। हालांकि, इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.53 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 13.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.37 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

बेलाराइज इंडस्ट्रीज का आईपीओ 21 मई को खुलेगा, प्राइस बैंड 85-90 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी
नई दिल्ली/मुंबई। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 21 मई को खुलेगा और शुक्रवार, 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 85-90 रुपये प्रति शेयर तय किया है। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 20 मई को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने बताया कि अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 85-90 रुपये निर्धारित किया गया है। निवेशक इसमें न्यूनतम 166 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 166 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का यह आईपीओ पूर्णतः 2,150 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई प्रस्ताव नहीं है। कंपनी के मुताबिक इस इश्यू से प्राप्त धनराशि के एक हिस्से का उपयोग वह कर्ज का भुगतान करने

के लिए 1,618 करोड़ रुपये खर्च करने का इरादा रखती है। पुणे स्थित ऑटोमोटिव कंपोनेंट कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज भारत में दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों एवं कृषि वाहनों के लिए सुरक्षा-महत्वपूर्ण प्रणालियों एवं अन्य इंजीनियरिंग समाधानों की विविध श्रृंखला पेश करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में मेटल चेसिस सिस्टम, पॉलीमर कंपोनेंट, सस्पेंशन सिस्टम, बॉडी-इन-व्हाइट कंपोनेंट और एग्जॉस्ट सिस्टम आदि हैं। कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में बजाज ऑटो लिमिटेड, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, जगुआर लैंड रोवर लिमिटेड और रॉयल एनफील्ड मोटर्स लिमिटेड जैसे प्रमुख बहुराष्ट्रीय ओईएम हैं।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का पहला विदेशी परिसर दुबई में खुला, गोयल ने आईआईएफटी को बधाई दी

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने अपना पहला विदेशी परिसर संयुक?त अरब अमीरात के दुबई में खोला है। ये परिसर एक्सपो सिटी में इंडिया पैवेलियन में स्थित है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आईआईएफटी को बधाई दी है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह आईआईएफटी की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिक्षा में भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईएफटी का दुबई परिसर शिक्षा मंत्रालय से मंजूरी और विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद संभव हुआ है। यह भारतीय उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण में एक गौरवपूर्ण क्षण भी है, जो एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह भारतीय संस्थानों के अंतरराष?ट्रीयकरण और वैश्विक शिक्षण केंद्रों के निर्माण पर जोर देता है। दुबई में बनने वाला यह परिसर यूएई के साथ भारत के बढ़ते शैक्षिक सहयोग को दर्शाता है। यह न केवल भारतीय प्रवासियों और वैश्विक शिक्षार्थियों की गतिशील जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि खाड़ी क्षेत्र में भारत की शैक्षिक उपस्थिति को भी मजबूत करेगा। मंत्री पीयूष गोयल ने आईआईएफटी के इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आईआईएफटी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को दर्शाता है, जो भारतीय शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण और वैश्विक स्तर पर विचार नेतृत्व को आकार देने में इसकी बढ़ती भूमिका में एक नया अध्याय जोड़ता है, जो भारत-यूएई साझेदारी को मजबूत करने का भी प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह नया परिसर भविष्य के व्यावसायिक नेताओं को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आईआईएफटी को उसके पहले अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर बधाई देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि यह आईआईएफटी के 62 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है कि संस्थान दुबई में एक पूर्ण परिसर स्थापित कर रहा है।

बीएलएस ई-सर्विसेज का मुनाफा 58.7 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। तकनीक सक्षम डिजिटल सेवा प्रदाता कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में उसका मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 10.9 करोड़ रुपये के मुकाबले 58.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 17.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने यहां बयान जारी कर बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25.

थॉमस कुक इंडिया ने यूरोपीय संघ में रखा कदम, साइप्रस में खोला पहला कार्यालय

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यात्रा से जुड़ी व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी थॉमस कुक इंडिया (टीसीआई) लिमिटेड ने यूरोपीय संघ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए साइप्रस की राजधानी निकोसिया में अपना पहला कार्यालय स्थापित किया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह कदम उसकी वैश्विक विस्तार रणनीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते व्यावसायिक यात्रा सेगमेंट का लाभ उठाना है। यह नया कार्यालय ट्रैवल सर्कल इंटरनेशनल (साइप्रस) लिमिटेड (टीसीआई यूरो) के अंतर्गत कार्य करेगा, जो थॉमस कुक इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी यूरोप में काम कर रहे बहुराष्ट्रीय ग्राहकों के साथ-साथ भारत स्थित कॉरपोरेट ग्राहकों की व्यावसायिक यात्रा

आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। टीसीआई यूरो को इस प्रकार रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है कि यह व्यावसायिक यात्रियों को विशेष स्थानीय मूल्य निर्धारण और इन्वेंट्री तक पहुंच प्रदान करता है, जो भारत में उपलब्ध नहीं है। यह स्थानीय उपस्थिति ग्राहकों को अधिक सहज और प्रतिस्पर्धी सेवा अनुभव प्रदान करने में मदद करेगी। थॉमस कुक इंडिया के लिए यह विस्तार यूरोपीय संघ के 27 देशों में निर्बाध संचालन, प्रतिस्पर्धी लाभ और भविष्य में अवकाश यात्रा, मीटिंग्स एवं इवेंट्स जैसे अन्य यात्रा खंडों में विस्तार के लिए द्वार खोलता है।कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) महेश अय्यर ने कहा, ÷साइप्रस में कार्यालय की स्थापना यूरोपीय बाजार में कंपनी के प्रवेश का प्रतीक है और इसका उद्देश्य वहां कार्यरत कॉरपोरेट ग्राहकों को बेहतर सेवा, स्थानीय मूल्य लाभ और मजबूत नेटवर्क प्रदान करना है। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में साइप्रस के पर्यटन उप मंत्री कोस्टास कौमिस, भारत के उच्चायुक्त मनीष मनीष, यूरोबैंक ग्रीस के सीईओ करावियास फोकियन, एलटीआई माइंड्ट्री के सीबीओ श्रीनी राव, फेयरफैक्स डिजिटल सर्विसेज के सीईओ संजय तुगनेत और थॉमस कुक इंडिया के अध्यक्ष इंदिवर रस्तोगी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्नाटक को 'पीएम ई-ड्राइव' के तहत दी जाएंगी इलेक्ट्रिक बसें : कुमारस्वामी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रमुख 'पीएम ई-ड्राइव' योजना के तहत कर्नाटक को चरणबद्ध तरीके से और प्राथमिकता के आधार पर इलेक्ट्रिक बसें दी जाएंगी। पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत 9 प्रमुख शहरों को 14,000 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जानी हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच चर्चा में चार्जिंग स्टेशन, बस डिपो और वाहन रखरखाव प्रणाली सहित संबंधित बुनियादी ढांचे को शामिल किया गया है। दरअसल, भारी उद्योग मंत्रालय को कर्नाटक सरकार से एक औपचारिक प्रस्ताव मिला है, जिसमें केंद्र प्रायोजित पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों के आवंटन की मांग की गई है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद

कर्नाटक सरकार को केंद्र से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने पुष्टि की कि आवंटन की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है और कर्नाटक को चरणबद्ध और प्राथमिकता वाले तरीके से इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी।मंत्रालय के मुताबिक एचडी कुमारस्वामी ने कहा, हम सिर्फ बसें वितरित नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम भारत के लोगों के लिए एक स्वच्छ, स्मार्ट और अधिक समावेशी परिवहन भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई पीएम ई-ड्राइव पहल का उद्देश्य 14,028 इलेक्ट्रिक बसों के साथ शहरी बस संचालन को बढ़ाना है। इस योजना का परिव्यय 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2026 तक दो वर्षों की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये है। भारी उद्योग मंत्रालय सभी राज्य सरकारों और हितधारकों के सहयोग से इस परिवर्तनकारी मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरबीआई ने ड्यूश बैंक इंडिया पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

एजेंसी
मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों के पालन नहीं करने के आरोप में ड्यूश बैंक एजी, इंडिया पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने

बताया कि बैंक ने बड़े कर्ज़दारों की जानकारी समय पर केंद्रीय डेटाबेस में नहीं दी, जो नियमों के मुताबिक जरूरी है। यह लापरवाही बैंक की वित्तीय निगरानी के दौरान सामने आई, जो 31 मार्च 2024 तक की स्थिति पर आधारित थी। केंद्रीय बैंक ने जांच के बाद बैंक को नोटिस भेजा और जवाब मांगा कि नियमों के उल्लंघन के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। बैंक के जवाब और सुनवाई के बाद आरबीआई ने पाया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है इसलिए उस पर मौद्रिक जुर्माना लगाया गया।

तूफानी तेजी के बाद शेयर बाजार में कंसोलिडेशन, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी
नई दिल्ली।तूफानी तेजी के बाद आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में कंसोलिडेशन होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की शुरुआत भी दबाव में हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान की स्थिति बन गई, जिसके कारण बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी का माहौल बना रहा। इसके साथ ही रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर टेक, मेटल, हेल्थ केयर और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स पूरे दिन के कारोबार के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.74 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 440.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.55 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,126 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,616 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,370 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 140 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,790 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 827 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.11 अंक की गिरावट के साथ 82,392.63 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण यह सूचकांक 383.79 अंक टूट कर 82,146.95 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक उछल कर 82,514.81 अंक तक पहुंचने में भी सफल रहा, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि यह सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 200.15 अंक लुढ़क कर 82,330.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

17 साल पहले बनीं इंटरनेशनल क्रश, 'जन्नत गर्ल' के नाम से हुईं मशहूर, अब कहां हैं

सोनल चौहान

आज से 17 साल पहले 2008 में एक फिल्म आई, जो सट्टे पर आधारित थी, लेकिन उसमें एक लव स्टोरी भी दिखाई गई. फिल्म का नाम 'जन्नत'. ये फिल्म इमरान हाशमी की थी लेकिन इसमें लीड एक्ट्रेस सोनल चौहान थीं, जो रातों-रात नेशनल क्रश बनकर फेमस हो गई थीं. उन्हें 'जन्नत गर्ल' कहा जाने लगा था. सोनल चौहान ने इसके बाद कई फिल्में की, लेकिन उन्हें आज भी 'जन्नत' के लिए ही जाना जाता है.

सोनल चौहान ने बतौर मॉडल करियर की शुरुआत की थी और सबसे पहले ये हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं. सोनल चौहान की डेब्यू फिल्म कौन सी थी और आजकल ये क्या कर रही हैं, आइए जानते हैं.

सोनल चौहान का फिल्मी करियर

16 मई 2008 को सोनल चौहान का जन्म दिल्ली में हुआ था. सोनल ने नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की और दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से फिलॉसफी सबजेक्ट में पोस्ट ग्रेजुएशन किया. सोनल चौहान ने 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब जीता था. सोनल पहली बार हिमेश रेशमिया के गाने 'समझो ना' में बतौर एक्ट्रेस नजर आई थीं.

सोनल चौहान की डेब्यू बॉलीवुड फिल्म 'जन्नत' थी, जो सुपरहिट हुई. इस फिल्म के गाने खूब पॉपुलर हुए थे और आज भी सोनल को 'जन्नत गर्ल' के नाम से पुकारा जाता है. बॉलीवुड फिल्मों के अलावा सोनल ने साउथ सिनेमा की भी कुछ फिल्में की, जो सफल रहीं. पिछली बार सोनल फिल्म 'आदिपुरुष' (2023) में नजर आई थीं, जिसमें इन्होंने मंदोदरी का रोल प्ले किया था. सोनल ने 'बुड्ढा होगा तेरा बाप', 'लेजेंड', 'अ किलर कनेक्शन', 'डिडेक्टर', 'द घोस्ट', 'जैक एंड दिल' जैसी फिल्मों में काम किया है.

आजकल क्या कर रही हैं सोनल चौहान ?

सोनल चौहान ने 21 अप्रैल को अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं जब वो आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम को सपोर्ट करती नजर आई. इसके अलावा उनकी किसी फिल्म की कोई जानकारी फिलहाल नहीं है. सोनल इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां उन्हें 8.1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. सोनल चौहान ने ढेरों फिल्में की हैं, लेकिन आज भी उन्हें फिल्म 'जन्नत' के लिए ही याद किया जाता है और उनकी खूबसूरती की तारीफ आज भी फैंस उनके पोस्ट पर करते हैं.

नई नवेली दुल्हन संग तुर्की में हनीमून मनाने वाला था ये एक्टर, कश्मीर की वादियों में घूमने का भी था प्लान

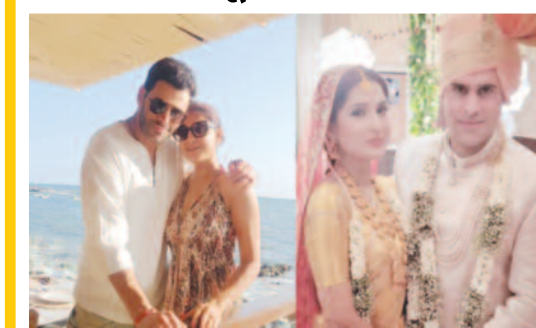

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जब भारत पड़ोसी देश पाकिस्तान को खदेड़ रहा था तो तुर्की पाक की मदद कर रहा था. ऐसे में भारत ने तुर्की को भी सबक सिखाने का मन बनाया. सभी क्षेत्रों से भारतीय तुर्की का बायकॉट कर रहे हैं. इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने भी तुर्की में भारतीय फिल्मों और शो की शूटिंग पर बैन लगा दिया है. जबकि, अब टीवी एक्टर सिद्धांत इस्सर ने तुर्की में अपना हनीमून कैंसिल कर दिया है. वहीं वो अप्रैल में कश्मीर भी घूमने के लिए जाने वाले थे, लेकिन उनकी ये प्लानिंग भी पहलगाम आतंकी घटना के चलते टल गई.सिद्धांत इस्सर बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता और महाभारत में दुर्योधन के किरदार में नजर आए पुनीत इस्सर के बेटे हैं. हाल ही में उन्होंने एक्ट्रेस सुरभि शुक्ला से शादी की थी. दोनों 21 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधे थे. न्यूली वेड कपल तुर्की में हनीमून मनाने जा रहा था, हालांकि अब उन्होंने देश के साथ खड़े होकर तुर्की में हनीमून मनाने का ख्याल छोड़ दिया और तुर्की की यात्रा कैंसिल कर दी. फिलहाल वो सुरभि के साथ गोवा में अपने घर पर हैं. जल्द ही अभिनेता मुंबई लौटेंगे और फैमिली के साथ अपना बर्थडे भी सेलिब्रेट करेंगे.

सिद्धांत ने कैंसिल किया तुर्की में हनीमून

सिद्धांत ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा, हम 23 अप्रैल को कश्मीर जाने वाले थे. फिर दो मई को मुंबई में अपने रिसेप्शन के लिए वापस आने वाले थे, मई में तुर्की भी जाना था. लेकिन, कश्मीर तुरंत चार्ट से बाहर हो गया और यहां तक कि तुर्की भी अब चार्ट से बाहर हो चुका है.

गोवा में बिता रहे वक्त, ग्रीस जाने का है प्लान

इन दिनों सिद्धांत और सुरभि गोवा में है. उन्होंने बताया कि गोवा में उनके पास 15 सालों से फैमिली होम है. सिद्धांत ने कहा, हम यहां छोटा हनीमून मना रहे हैं. हमारा असली हनीमून अभी भी बाकी है. हम यहां 15 दिनों से हैं और हम 19 मई को मेरे बर्थडे पर मुंबई वापस जाएंगे और परिवार के साथ इसे सेलिब्रेट करेंगे. उन्होंने आगे ये भी कहा कि तुर्की का हनीमून प्लान कैंसिल होने के बाद वो ग्रीस में हनमीमून प्लान कर रहे हैं.

85 करोड़ की फिल्म ने जब कूटे 800 करोड़, 11 साल पहले आया था आमिर खान का बवंडर

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता आमिर खान जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आने वाले हैं. लंबे समय बाद पर्दे पर उनकी वापसी हो रही है. आमिर खान बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं जिनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. आमिर कम फिल्में करते हैं, लेकिन जब बॉक्स ऑफिस पर आते हैं तो छा जाते हैं. अपने करियर में आमिर ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. उनकी फिल्मों को देखने के लिए फैंस का हुजूम उमड़ पड़ता है.आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लाइन लंबी है. आज हम आपको उनकी 11 साल पहले आई एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं जिसने बॉक्स ऑफिस पर गजब की सफलता हासिल की थी. इसका बजट सिर्फ 85 करोड़ रुपये था,लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म बजट से 9 गुना से भी ज्यादा कमाई करने में कामयाब हुई थी. चलिए जान लेते हैं कि एक दशक पहले आई ये फिल्म कौन सी है जिसने न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ नोट बटोरे थे और ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

85 करोड़ में बनी थी 'पीके'

जिस फिल्म की यहां बात हो रही है उसका नाम है क्र. 'पीके' न सिर्फ आमिर की बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है. इस फिल्म ने विवादों के बीच भी फैंस का दिल जीता था. 'पीके' 19 दिसंबर 2014 को रिलीज हुई थी.

आमिर का साथ दिया था फिल्म में एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने. इस पिक्चर का हिस्सा बोमन ईरानी, सौरभ शुक्ला और परीक्षित साहनी, सुशांत सिंह राजपूत जैसे कलाकार भी थे. 'पीके' राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी थी, जिस पर मेकर्स ने 85 करोड़ रुपये की रकम खर्च की थी.

कमा डाले थे 800 करोड़

'पीके' ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी. इंडियन बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 26.63 करोड़, दूसरे दिन 30.34 करोड़ और तीसरे दिन 38.44 करोड़ कमाकर ये पिक्चर खुद को साबित कर चुकी थी. चार दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा कमाने वाली 'पीके' ने भारत में टोटल 340 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं वर्ल्डवाइड इसने 792 करोड़ रुपये की कमाई की और ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई.

डेढ़ महीने में सनम जौहर ने छोड़ा शो,

भाविका शर्मा

की हुई वापसी!

स्टार प्लस का मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार' में दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जाता है. जल्द ही टीवी के इस पॉप्युलर टीवी सीरियल में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा. इस बदलाव के चलते 'गुम है किसी के प्यार' में अहम किरदार सनम जौहर अब इस सीरियल का हिस्सा नहीं रहेंगे. उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया है. लगभग डेढ़ मैंने पहले शो में आए हुए लीप के बाद

सनम जौहर की इस में एंट्री हुई थी.'गुम है किसी के प्यार' में सनम जौहर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, उनके इस तरह से अचानक शो छोड़ने से उनके फैंस थोड़े निराश हो गए हैं. हालांकि, सनम की एग्जिट के बाद सीरियल में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. खबर है कि एक्ट्रेस भाविका शर्मा, जिन्होंने पहले भी इस शो में काम किया था, उनकी इस शो में दोबारा एंट्री होने जा रही है. भाविका के वापस आने से कहानी में नया मोड़ आने की उम्मीद है.

अलग अंदाज में नजर आएंगी भाविका

भाविका शर्मा के किरदार को दर्शकों ने पहले भी पसंद किया था और उनकी वापसी से शो को नई एनर्जी मिल सकती है. भाविका इस बार पूरी तरह से अला अंदाज में नजर आने वाली हैं. निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा. अब देखना ये है कि ये बदलाव शो की टीआरपी पर क्या असर डालते हैं और कहानी किस दिशा में आगे बढ़ती है.

टीवी शो में चल रहा है लीप का ट्रेंड

सिर्फ 'गुम है किसी के प्यार' में ही नहीं बल्कि इस महीने कई टॉप टीवी शो में बड़े लीप देखने मिलने वाले हैं. रुपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' भी जल्द ही कुछ साल आगे जाने वाला है. अनुपमा के अलावा 'ये रिश्ता क्या कहलाता हैं' में भी अब 5 -6 साल का लीप देखने मिलेगा. भाग्यलक्ष्मी और झनक में भी जल्द जेनरेशन लीप देखने मिल सकता है.